आरएसएस और प्रधानमंत्री संविधान.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पलक तिवारी ने अपनी मां स्वेता... 11

वर्ष - 02, अंक - 47 | गाजियाबाद / गुरूवार 21 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

सड़क हादसे में कार सवार चार की मौत, दो घायल

अमरोहा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतकों में कार चालक को छोड़कर अन्य तीन युवक पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के निवासी थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे-09 पर गजरौला थाना क्षेत्र के अंतर्गत नायरा पेट्रोल पंप के नजदीक तड़के करीब चार बजे मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रही एक तेज रफ्तार वैगन-आर कार अनियंत्रित होकर अपने आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार छह लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि कार में सवार लोगों में से चालक सलमान रामपुर का निवासी था, जबकि अन्य पांच लोग पश्चिम बंगाल के जिला मालदा के रहने वाले थे। ये सभी पांचों युवक बनारस में रहकर हाफिजी की पढ़ाई कर रहे थे।

राजस्थान हाईकोर्ट में तीन दिन वर्चुअल होगी सुनवाई

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने 22, 26 और 27 मई को वर्चुअल सुनवाई करने का निर्णय किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस दौरान जोधपुर और जयपुर पीठ में अदालत की कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। उच्च न्यायालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार यह फैसला ईंधन बचत और सादगी अभियान के तहत लिया गया है। अधिवक्ताओं और संबंधित पक्षों से वर्चुअल सुनवाई को अपनाने और अनावश्यक यात्रा कम करने का आग्रह किया गया है। नोटिस में हालांकि यह भी स्पष्ट किया गया है कि अदालतों में वास्तविक सुनवाई पर कोई रोक नहीं रहेगी।

बीपीसीएल ने रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व संकट के बीच सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा रही है और मौजूद समय में कंपनी के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत पहुंच गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 31 प्रतिशत थी। यह जानकारी कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस वीआरके गुप्ता ने बुधवार को दी।

तमिलनाडू में मंत्रिमंडल विस्तार आज!

चेन्नई (एजेंसी)। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कजगम सरकार वीरवार को अपने पहले कैबिनेट विस्तार की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, वीरवार सुबह संभावित शपथ ग्रहण समारोह से पहले मंत्रियों की सूची को लेकर परामर्श का अंतिम दौर पूरा किया जाएगा। सत्ताधारी खेमे के सूत्रों के अनुसार, सरकार विस्तारित मंत्रिमंडल में अपने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को भी जगह दे सकती है। कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आए हैं।

रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और इटली: मोदी

रोम (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत और इटली ने व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे।

पीएम मोदी ने बुधवार को यहां इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि मेलोनी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नई गति और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों ने अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद की कड़ी

निंदा करते है और इसे मानवता के लिए गंभीर चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इटली मिलकर उत्पादों का डिजाइन तथा विकास करेंगे और इन्हें दुनिया को उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे रक्षा औद्योगिक रोडमैप से सह-विकास और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, रसद और समुद्री अर्थव्यवस्था पर काम करेंगे। मोदी ने कहा कि भारत और इटली एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। आतंक वित्तपोषण के खिलाफ हमारी साझा पहल ने पूरे विश्व के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत और इटली ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा नहीं करतीं, बल्कि उसके वित्तीय नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाती हैं।

मोदी ने मेलोनी को भेंट की मेलोडी टॉफी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को खास 'मेलोडी' टॉफी भेंट की। मेलोनी ने इस गिफ्ट के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पिछले तीन साल में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जहां-जहां मुलाकात की, सोशल मीडिया पर **#Melodi** हेशटैग के साथ पोस्ट शेयर की। इस बार सरप्राइज की बारी पीएम मोदी की थी। पाँच देशों के दौरे से लौटते हुए मोदी इटली में रुके। वहां उन्होंने पीएम मेलोनी को पार्ले की मेलोडी चॉकलेट का एक पैकेट गिफ्ट किया। ये उस हेशटैग को सेलिब्रेट करने के लिए था, जो पिछले कुछ अर्से से इटली-भारत के मजबूत होते रिश्ते का प्रतीक बन गया है। परंपरा निभाते हुए मेलोनी ने मोदी से मिले इस गिफ्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब वायरल है।

डॉलर के आगे रुपया पस्त, 97 रुपए प्रति डॉलर के करीब पहुँचा

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को एक बार फिर फिसल गया, जिससे ये नए रिकॉर्ड लो पर 97 प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया। 20 मई को भारतीय रुपया 33 पैसे गिरकर एक नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुँच गया। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी और ब्रेंट क्रूड की लगातार बढ़ती कीमतों ने रुपये के प्रति मार्केट के रुख को कमजोर कर दिया। रुपया आज 19 पैसे गिरकर 96.89 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 96.9575 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर तक उतर गया। बाद में यह हालांकि 96.77 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। खबर लिखे जाते समय रुपया 16 पैसे गिरकर 96.86 रुपये प्रति डॉलर पर था।

ब्रेंट क्रूड की कीमतें $111 प्रति बैरल के आस-पास बनी रहीं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्ष किसी पक्की डील पर पहुंचने में हिचकिचा रहे हैं।

इसके अलावा, अमेरिका की 10-साल की ट्रेजरी यील्ड 4.5 प्रतिशत से ऊपर चली गई है, जबकि 30-साल की यील्ड 5.1 प्रतिशत के पार पहुंच गई है, जो लगभग 19 सालों में इसका सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पता चलता है कि निवेशकों ने अमेरिका में महंगाई के और अधिक बने रहने की संभावना के मद्देनजर प्लानिंग शुरू कर दी है। फरवरी में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक रुपया 6 फीसदी फिसल चुका है। इसी अवधि के दौरान, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों और बॉन्ड से 22 अरब डॉलर से अधिक की राशि निकाल ली है, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमतें 50% से अधिक बढ़ गई हैं।

आईएएस को भावुक हुए बिना संवेदनशील बनने की जरुरत: मुर्मु

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि आईएएस अधिकारियों को करुणा और तर्कसंगतता के साथ भावुक हुए बिना संवेदनशील रहते हुए नियमों के दायरे में व्यापक जनहितों के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2024 बैच के अधिकारियों के एक समूह से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को विविध क्षेत्रों में काम करने का अनूठा अवसर मिलेगा और कई अवसरों पर वे विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञों की टीमों का नेतृत्व करेंगे। इसलिए उनके सीखने का दायरा और गति व्यापक तथा त्वरित होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की उनकी क्षमता भी असाधारण होनी चाहिए।

महिला पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

हाईटेंशन लाइन में फंसा हेलीकॉप्टर

टिहरी (एजेंसी)। उत्तराखंड में जनपद टिहरी गढ़वाल के चम्बा-आराकोट से लेकर सत्यो-सकलाना क्षेत्र तक बुधवार सुबह एक हेलीकॉप्टर अचानक हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। लेकिन महिला पायलट की सूझबूझ और साहस से सभी यात्रियों की जान बच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांस भारत एविऐशन कंपनी का हेलीकॉप्टर बद्रीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर गुप्तकाशी जा रहा था। इसी दौरान गुप्तकाशी में अचानक वीआईपी मूवमेंट होने के चलते पायलट को हेलीकॉप्टर सीधे देहरादून ले जाने का संदेश मिला। निर्धारित मार्ग बदलने के बाद हेलीकॉप्टर चम्बा-आराकोट क्षेत्र के ऊपर से गुजर रहा था, तभी उसके पिछले रोटर में

11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार, तार फंसते ही हेलीकॉप्टर हवा में अनियंत्रित होकर जोरदार हिचकोले खाने लगा और तेजी से नीचे आने लगा। अचानक बने इस संकट से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हालांकि हेलीकॉप्टर की महिला पायलट ने बेहद संयम और साहस का परिचय देते हुए स्थिति को संभाला और हेलीकॉप्टर को नियंत्रित रखा। बताया जा रहा है कि हाईटेंशन लाइन का भारी बिजली तार चम्बा-आराकोट से लेकर सत्यो-सकलाना क्षेत्र तक हेलीकॉप्टर के पिछले हिस्से में फंसा हुआ घिसटता रहा, जिससे हेलीकॉप्टर का पिछला भाग क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए सत्यो-सकलाना के खुले खेतों में हेलीकॉप्टर की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी और शाह पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली के लोधवारी गांव में आयोजित 'बहुजन स्वाभिमान सभा' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने विवादित बयान देते हुए दोनों को गद्दार कहा और देश बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है और संविधान की मूल भावना को कमजोर किया जा रहा है। राहुल के इस बयान पर सियासत तेज हो गई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, ओडिशा के मंत्री नित्यानंद गोंड और यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी पर निशाना साधा तो वहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने उनका बचाव किया।

केदारनाथ मार्ग में फंसे 10 हजार लोगों को एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के पैदल यात्रा मार्ग पर मंगलवार देर रात भूस्खलन में फंसे लगभग दस हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं को राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने सुरक्षित निकाल लिया। एसडीआरएफ के कमांडेंट आईपीएस अर्पण यदुवंशी ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सोनप्रयाग-गौरीकुंड के मध्य मुनकटिया क्षेत्र में अचानक भूस्खलन होने से मुख्य सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया। मार्ग बाधित होने

के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए। रात्रि का समय, खराब मौसम, पहाड़ी क्षेत्र में लगातार गिरता मलबा तथा यात्रियों की भारी भीड़ के कारण स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना जिला नियंत्रण केंद्र रुद्रप्रयाग द्वारा रात 09:16 बजे एसडीआरएफ को मिली। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक आशीष डिमरी के नेतृत्व में सोनप्रयाग टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए गई।

उन्होंने बताया कि मौके पर एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। यदुवंशी ने बताया कि संयुक्त टीमों द्वारा अत्यंत जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में सूझबूझ, धैर्य एवं साहस का परिचय देते हुए सड़क के दूसरी ओर फंसे लगभग 10,450 श्रद्धालुओं को सुरक्षित तरीके से मार्ग पार कराया गया। लगातार बारिश और अंधेरे के बीच जवानों ने श्रद्धालुओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली टैलेंट हंट योजना' का किया शुभारंभ

युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को मिलेगी पहचान: रेखा गुप्ता

- सभी 70 विधानसभाओं से शुरू होगी योजनी
- 25 हजार से ज्यादा युवाओं की भागीदारी होगी
- विजेताओं को मिलेंगे 2.5 लाख तक नकद पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा के साथ 'दिल्ली टैलेंट हंट हौसलों की उड़ान योजना 2026-27' का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राजधानी में अपार प्रतिभा है। योजना का लक्ष्य दिल्ली के युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को पहचान देना, उन्हें निखारना और आगे बढ़ाना है।

योजना सभी 70 विधानसभाओं से शुरू होगी और इसमें 25 हजार से ज्यादा युवाओं की भागीदारी होगी। इसमें गायन, नृत्य, थिएटर, फाइन आर्ट, डिजिटल आर्ट, वाद्य संगीत एवं म्यूजिक कंपोजिशन जैसी

विधाओं में प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के युवा अपनी क्षमता, सृजन और परिश्रम से नई पहचान गढ़ें। इस दिशा में दिल्ली सरकार लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली टैलेंट हंट योजना के जरिए सरकार अब प्रतिभाशाली युवाओं के पास पहुंचेगी, इससे पहले इतनी बड़ी टैलेंट हंट योजना नहीं शुरू की गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार का संस्कृति विभाग दिल्ली के युवाओं के लिए प्रतिभा खोज योजना लागू करेगा। आज इससे वादे को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के युवाओं में गायन, नृत्य, रंगमंच, डिजिटल कला और कई अन्य क्षेत्रों में अपार प्रतिभा है। दिल्ली के कई प्रतिभाशाली युवाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार राज्य के युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान देने जा रही है। उन्होंने कह कि इसी ऐतिहासिक पहल के तहत "दिल्ली टैलेंट हंट हौसलों की उड़ान" की भव्य शुरूआत होने जा रही है, जिसकी घोषणा आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरे गर्व के साथ की गई।

दिल्ली सरकार युवाओं के साथ : कपिल मिश्रा

कपिल मिश्रा ने कहा कि इस अनूठे अभियान का मूल उद्देश्य दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों, गलियों और कॉलोनियों में रहने वाले उन प्रतिभावान युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को ढूंढना, उन्हें निखारना और एक ऐसा मजबूत मंच प्रदान करना है जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन युवाओं की इस यात्रा में हर मोड़ पर उनके साथ खड़ी रहेगी और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाने तथा समाज में एक नई और सम्मानजनक पहचान दिलाने के लिए अपनी हर संभव मदद और संसाधन सुनिश्चित करेगी।

विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार और प्रोत्साहन

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 2.5 लाख रुपये, दूसरा स्थान पर रहने वाले को 2 लाख रुपये, तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले को 1.5 लाख रुपये और चौथा स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी को एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा सभी चयनित एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट, अवॉर्ड, शील्ड और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हौसलों की उड़ान केवल प्रतिभा खोज कार्यक्रम नहीं बल्कि दिल्ली के युवाओं को देश और दुनिया के सामने अपनी पहचान बनाने का मंच है। आगे चलकर इन प्रतिभाशाली युवाओं को विभिन्न सामाजिक अभियानों में 'ब्रैंड एंबेसडर' के रूप में भी जोड़ा जाएगा ताकि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकें। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को नई उड़ान दें और दिल्ली सरकार के इस मंच का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

उत्तर भारत में लू का प्रहार

दिल्ली, यूपी, राजस्थान और पंजाब-हरियाणा में भीषण गर्मी

- कई शहरों में तापमान 47 डिग्री से ऊपर पहुंचा
- पहाड़ी राज्यों में बारिश और तेज हवाओं के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में तापमान लगातार बढ़ रहा है। कई क्षेत्रों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जबकि कुछ शहरों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी गर्मी का असर बने रहने की संभावना जताई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली गर्म और शुष्क हवाओं के कारण गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। राजस्थान में दिन के साथ रातें भी गर्म बनी हुई हैं, जबकि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में लू का प्रभाव जारी है। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में गर्मी का सबसे अधिक असर देखने को मिल रहा है। आगरा, कानपुर और प्रयागराज सहित कई शहरों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग की सलाह

मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने के साथ पर्याप्त पानी पीने और हल्के रंग के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

- **जून में मॉनसून से राहत मिलने की उम्मीद**

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की गतिविधियां तेज हो रही हैं और जून के दौरान उत्तर भारत को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

तमिलनाडु की सत्ता में 59 साल के बाद वापसी करेगी कांग्रेस, सीएम विजय की कैबिनेट में कल होगी शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में करीब छह दशक बाद बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं और इस विस्तार में कांग्रेस की सरकार में औपचारिक एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस तरह करीब 59 साल बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में सीधे भागीदारी करती नजर आएगी। सूत्रों के मुताबिक, टीवीके और कांग्रेस के बीच सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी संकेत दिए हैं कि पार्टी सरकार में शामिल होने जा रही है। लंबे समय तक द्रविड़ राजनीति के प्रभाव वाले तमिलनाडु में कांग्रेस ज्यादातर समय डीएमके या एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में रही, लेकिन उसे कभी सरकार में जगह नहीं मिली। अब विजय सरकार में कांग्रेस की एंट्री को दक्षिण भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि यह कदम 2026 के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। एक तरफ विजय अपनी सरकार को और मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस बीच टीवीके ने अपने अन्य सहयोगी दलों को भी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। मंत्री आधव अर्जुना ने कहा कि मुख्यमंत्री चाहते हैं कि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन भी मंत्रिमंडल का हिस्सा बनें। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ भी बातचीत जारी है।

अस्पताल के बाहर सलमान का पैपराजी पर फूटा गुस्सा... क्या तुम लोग पागल हो गए हो

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर पैपराजी पर भड़क गए। किसी करीबी से मिलने पहुंचे सलमान की नाराजगी तब सामने आई जब कुछ फोटोग्राफर्स ने अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर हंगामा शुरु किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, सलमान के बाहर आते ही कुछ पैपराजी ने उनकी आने वाली फिल्म 'मातृभूमि' का नाम जोर-जोर से पुकारना शुरू किया। इस पर गुस्साए सलमान ने पूछा, 卐क्या तुम लोग पागल हो गए हो?卐 उन्होंने पैपराजी से सवाल किया कि अगर उनके परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती हो, तब क्या उन्हें भी इस तरह कैमरों और शोर-शराबे का सामना अच्छा लगेगा। अभिनेता के गुस्से को देखकर मौके पर मौजूद पैपराजी ने तुरंत माफी मांगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि मीडिया ने हमेशा उनका साथ दिया है, लेकिन अस्पताल जैसी जगह पर किसी के निजी पलों को सनसनी बनाना ठीक नहीं है। उन्होंने संवेदनशीलता की कमी पर जोर देकर कहा, 'मैं 60 साल का हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला।'

आईआरसीटीसी लाया गर्मियों में चारधाम यात्रा का खास मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं और इस दौरान पहाड़ों की ओर रुख करने वाले परिवारों के लिए आईआरसीटीसी बेहतरीन मौका लेकर आया है। रेलवे की सहायक कंपनी आईआरसीटीसी ने 2026 के लिए अपने विशेष चारधाम यात्रा पैकेज की घोषणा की है, जिसमें यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। पैकेज के तहत उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन कराए जाएंगे। यह 11 रात और 12 दिन का पैकेज दिल्ली से शुरू होगा और श्रद्धालुओं को आरामदायक एसी टेंपो ट्रैवलर से यात्रा कराई जाएगी। यात्रियों के लिए ठहरने हेतु अच्छे होटलों की व्यवस्था की जाएगी, साथ ही नाश्ते से लेकर रात के खाने तक की सुविधा और प्रतिदिन 1 लीटर पानी की बोतल भी प्रदान की जाएगी। 2026 में यात्रा की तारीखें जून (1, 12, 24), सितंबर (1, 12, 24) और अक्टूबर (1, 15) हैं। प्रति व्यक्ति खर्च इस प्रकार निर्धारित किया गया है। अकेले रुकने पर 75,000, दो लोगों के साथ 62,000 और तीन लोगों के साथ 57,000। वहीं, 5 से 11 साल के बच्चे के लिए (एक्स्ट्रा बेड सहित) 30,000 और बिना एक्स्ट्रा बेड के 20,000 का खर्च आएगा। यह पैकेज परिवार के साथ देवभूमि का आध्यात्मिक अनुभव लेने का एक शानदार अवसर है।

देहरादून के पैनेसिया अस्पताल में भीषण आग, महिला मरीज की मौत; कई अन्य झुलसे

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के पैनेसिया हॉस्पिटल में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में आईसीयू में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला मरीज की मौत हुई, जबकि छह अन्य मरीज और बचाव कार्य में जुटे तीन पुलिसकर्मी भी झुलस गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग एसी में ब्लास्ट होने के कारण लगी, जिसने अस्पताल परिसर में धुएं और भगदड़ का माहौल पैदा हुआ। हादसे के बाद अस्पताल को आनन-फानन में खाली कराया गया और कई मरीजों को एंबुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। कैलाश अस्पताल में भर्ती कराए गए छह झुलसे मरीजों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग ने आग लगने के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। यह घटना फिर देहरादून के निजी अस्पतालों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी और कमजोर व्यवस्थाओं को उजागर करती है। राजधानी के अधिकांश अस्पताल सीमित जगह, संकरे रास्तों और अपर्याप्त इमरजेंसी एग्जिट के साथ संचालित हो रहे हैं, जिससे ऐसी आपात स्थितियों में बचाव कार्य बाधित होता है और मरीजों की जान खतरे में पड़ती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद पूरे परिसर में धुआं भर गया था, जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। फायर ऑडिट और मॉक ड्रिल जैसे महत्वपूर्ण इंतजाम अक्सर केवल कागजों तक ही सीमित रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। प्रशासन आमतौर पर ऐसी घटनाओं के बाद ही सक्रिय होता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही लापरवाही दोहराई जाती है, जो गंभीर मरीजों की जिंदगी को खतरे में डालती है।

आरएसएस और प्रधानमंत्री संविधान को फाड़ने की कोशिश कर रहे-राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

बुधवार को रायबरेली के लोधवारी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। अपने

सम्बोधन में उन्होंने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने एक बार फिर देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

वहीं, गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि संविधान हिंदुस्तान की आवाज है।

डीपफेक और एआई कंटेंट के खिलाफ अदालत पहुंचे राघव चड्ढा, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स और निजता अधिकारों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। राघव चड्ढा ने अदालत में याचिका दाखिल कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रहे डीपफेक वीडियो, छेड़छाड़ किए गए विजुअल, कृत्रिम आवाज क्लोनिंग और भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद की अदालत में 21 मई को होने वाली है।

याचिका में कहा गया है कि एआई तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते इस्तेमाल के बीच कई बार सार्वजनिक हस्तियों की आवाज, चेहरा और बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। इससे न केवल उनकी छवि प्रभावित होती है, बल्कि लोगों के बीच भ्रम की स्थिति भी पैदा होती है। राघव चड्ढा ने अदालत से मांग की है कि बिना अनुमति उनके नाम, आवाज, तस्वीर और व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर तैयार किए गए किसी भी फर्जी कंटेंट पर तत्काल रोक लगाई जाए। हाल के वर्षों में डीपफेक तकनीक को लेकर देशभर में चिंता लगातार बढ़ी है। राजनीतिक नेताओं, फिल्म कलाकारों और खिलाड़ियों से जुड़े कई फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। इससे पहले अभिनेता अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं और उन्हें राहत भी मिली थी। अब राघव चड्ढा की याचिका को डिजिटल निजता और एआई नियंत्रण से जुड़े बड़े कानूनी मुद्दे के तौर पर देखा जा रहा है।

इकरा हसन के समर्थन में उतरे अखिलेश बोले- गुनाह तो बताइए?

सहारनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। सांसद इकरा हसन ने पुलिस प्रशासन पर जबरन थाने में बिठाने और हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्होंने सरकार व पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब कैराना से सपा सांसद इकरा हसन जसाला गांव की एक बुजुर्ग महिला के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) से मिलने पहुंची थीं। महिला के बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और वे इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही थीं। सांसद का आरोप है कि पीड़ित पक्ष की मांगों को अनसुना कर दिया गया। जब वे कार्यालय के बाहर पार्किंग एरिया में दूसरी अर्जी तैयार कर रही थीं, तभी भारी पुलिस बल ने वहां पहुंचकर उन पर ट्रैफिक व्यवस्था में बाधा डालने का आरोप लगाया। इकरा हसन के अनुसार, उन्हें और उनके साथियों को गाड़ी में बिठाकर महिला पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां करीब 10 मिनट तक हिरासत में रखने के बाद उन्हें रिहा किया गया। सांसद ने ट्रैफिक बाधित करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके पास गाड़ी सही जगह पार्क होने के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं।

इस घटना के बाद मामला तब और बढ़ गया जब शांति भंग करने के आरोप में पूर्व राज्य मंत्री मंगेराम कश्यप सहित पांच सपा नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही इकरा हसन तुरंत सदर बाजार पुलिस स्टेशन पहुंचीं और गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गईं। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस भी हुई। सांसद के समर्थन में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे, जिसके चलते इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब किसी को सिर्फ न्याय के लिए आवाज उठाने की वजह से हिरासत में ले लिया जाता है, तो वही पल कलियुग होता है। उन्होंने पूछा कि पार्टी की सांसद का अपराध बस इतना था कि वह उस मां की मदद कर रही थीं जिसने अपना बेटा खो दिया है और जो इस संवेदनहीन शासन में न्याय के लिए भटक रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह की तानाशाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। फिलहाल, थाने के बाहर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन और इस मामले को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार जारी है।

निर्मला सीतारमण पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... कहां थीं मैम?

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तीखा तंज कस दिया है। उन्होंने वित्त मंत्री से सीधे सवाल किया कि जब देश की अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही थी, तब वह कहां थीं। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी का बयान सीतारमण के उस ट्वीट के जवाब में आया है, जिसमें वित्त मंत्री ने मोदी सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया था।

शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, हालेलुया! हमारी वित्त मंत्री वापस आ गई हैं! देश जानना चाहता था कि जब डॉलर मजबूत हो रहा था (ध्यान दें, मैंने यह नहीं कहा कि रुपया कमजोर हो रहा था), जब प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और संस्थागत विदेशी निवेशक (एफआईआई) नदारद थे, जब शेयर बाजार धराशायी हो रहा था और सोना-चांदी खरीदना मना हो गया था, तब मैम कहां थीं?

यह तंज वित्त मंत्री सीतारमण के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2014 से सरकार अपनी नीतियों से समाज के हर वर्ग किसान, गरीब, महिलाएं, युवा और एमएसएमई की सेवा कर रही है, और वे उनके शासन ढांचे के मूल केंद्र में हैं।

इस दौरान सीतारमण ने कांग्रेस से पूछा था कि क्या 58 करोड़ जनधन खाते, 57 करोड़ मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम इंटर्नशिप योजना, ई-श्रम कार्ड, जी राम जी अधिनियम (जो बिना किसी रिसाव के 125 दिनों का रोजगार देता है), आयुष्मान भारत, 9 करोड़ से अधिक पीएम किसान संवितरण, लखपति दीदी/ड्रोन दीदी योजनाएँ और ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम अडानी/अंबानी के लिए हैं या गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए।

उन्होंने पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, 1 करोड़ स्वनिधि खाते, उर्वरकों पर अंतरराष्ट्रीय कीमतों का बोझ किसानों पर न डालने, एमएसएमई के लिए ईसीएलजीएस 5.0, कृषि ऋण वृद्धि और एमएसएमई ऋण वृद्धि जैसे कदमों का भी हवाला दिया, यह दर्शाने के लिए कि मोदी सरकार का ध्यान समाज के वंचित और मध्यम वर्गों पर केंद्रित है। यह राजनीतिक बयानबाजी आगामी चुनावों से पहले एक-दूसरे पर निशाना साधने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है।

पीएम मोदी की तारीफ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने विपक्ष में डाली फूट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का समर्थन कर कहा है कि राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देश के सम्मान को सर्वोपरि रखना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, पीएम मोदी की विदेशी यात्राओं की कड़ी आलोचना कर रही हैं, लेकिन पवार के बयान से विपक्ष की एकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक कार्यक्रम में पवार ने स्पष्ट किया कि भले ही उनके राजनीतिक विचार अलग हों, लेकिन जब देश के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की बात होती है, तब सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय हित में काम करने के मौके पर दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ आना चाहिए। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपने नेतृत्व में देश के भविष्य और प्रतिष्ठा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की चल रही पांच देशों की यात्रा की आलोचना करने के तुरंत बाद आई है। राहुल गांधी ने कहा था कि इस संकट के समय में प्रधानमंत्री मोदी लोगों से विदेश यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं, जबकि वे स्वयं दुनिया घूम रहे हैं। एक प्रमुख विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में दिए गए बयान ने निश्चित रूप से समूचे विपक्ष की एकजुटता और साझा रणनीति पर नए सिरे से चर्चा छेड़ दी है, खासकर तब जब आगामी चुनावों के मद्देनजर विपक्षी मोर्चा बनाने की कवायद चल रही है।

डिटेक्शन और डिलीशन का काम हो चुका पूरा अब डिपोर्टेशन का होगा शुरू

-बंगाल में अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम अधिकारी बोले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से कथित अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि वोटर लिस्ट से डिटेक्शन और डिलीशन का काम पहले ही हो चुका है और डिपोर्टेशन जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने देरी की थी। शुभेंधु ने कहा कि पहले हमने वोटर लिस्ट में अवैध निवासियों का पता लगाया, फिर हमने उन्हें लिस्ट से हटा दिया और अब उन्हें देश से निकालने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समय-सीमा नहीं बताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि मैं डरने वाला, झुकने वाला आदमी नहीं हूं, डराने का काम करने का कोई जरुरत नहीं है। बीजेपी ने जो कमिटमेंट दिया है, वो पूरा करने का काम बीजेपी का सीएम करेगा। राष्ट्र प्रथम है, देश को सुरक्षित रखने का काम बीजेपी करेगी। सीएम अधिकारी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि मेरे सीएम बनने से यहां टीएमसी, सीपीएम और कांग्रेस तनाव में हैं और अशांति पैदा कर रहे हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा तनाव और परेशानी बांग्लादेश के लोगों, विशेषकर वहां के जमात संगठन को हो रही है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मुझे डराने की कोशिश करने की जरूरत नहीं, क्योंकि सरकार के लिए देश पहले है और भाजपा इस देश को पूरी तरह ठीक करने का काम करेगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने म्युनिसिपल सेक्रेटरी और कमिश्नर को चार विशिष्ट नाम दिए हैं, जिन्होंने बंगाल को जमकर लूटा है। उन्होंने इन चारों व्यक्तियों की कुल संपत्ति का विवरण मांगते हुए उनके खिलाफ कानूनी जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम अधिकारी ने पार्क सर्कस में पुलिस पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि बिना स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के किए गए अवैध निर्माणों जैसी अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर कोई पुलिस पर पत्थर फेंकने की हिम्मत करेगा, तो बीजेपी उसे उचित सबक सिखाएगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों पर न्याय का भरोसा दिया। अधिकारी ने ऐलान किया है कि आरजी कर अस्पताल से लेकर कामदुनी, पार्क स्ट्रीट, कस्बा लॉ कॉलेज और बोगतुई तक महिलाओं के खिलाफ किए गए अत्याचार के हर एक मामले की कड़ी कानूनी जांच की जाएगी और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा : दिल्ली की सत्ता से जल्द हटेगी भाजपा सरकार

-बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ आंदोलन चलाने का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा दिया जाएगा। राज्य के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिसके साथ ही राज्य में पिछले 15 सालों से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन समाप्त हो गया है। इस हार के बाद भी टीएमसी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हॉकर्स को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथाकथित तानाशाही और बुलडोजर संस्कृति के कारण जनता में रोष बढ़ेगा, जो अंततः केंद्र की सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। इसके विरोध में टीएमसी ने कोलकाता, बालीगंज, हावड़ा जंक्शन और सियालदह रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। उन्हें उम्मीद है कि यह जन-आंदोलन भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी माहौल तैयार करेगा।

बैठक में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी वर्तमान मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने साफ किया कि केंद्रीय एजेंसियों के नोटिस या दंडात्मक कार्रवाइयों के आगे वे झुकने वाले नहीं हैं और भाजपा के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दूसरी तरफ, चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, आगजनी और झड़पों की खबरें आई हैं। इस मामले में टीएमसी ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके कार्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी खुद वकील की पोशाक पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अदालत में पेश हुईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि प्रभावित कार्यकर्ताओं को तुरंत सुरक्षा दी जाए और इस पूरी हिंसा की कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाई है, जबकि सत्ताधारी टीएमसी केवल 80 सीटों पर सिमट गई है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद राज्य में माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है।

अल-नीनो ने दिखाया असर तो मानसून होगा कमजोर, मंडरा रहा खतरा

-चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई, गर्मी और मौसम की मार झेल रहे लोगों के सामने अब एक और बड़ा खतरा मंडराने लगा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल अल-नीनो का असर भारतीय मानसून को कमजोर कर सकता है, जिससे चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। खासतौर पर यूपी, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में स्थिति चिंताजनक हो सकती हैं, जहां बड़ी आबादी का मुख्य भोजन चावल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया है कि अल-नीनो वाले सालों में देश के कई जिलों में खरीफ फसलों की पैदावार में भारी गिरावट आई थी। अध्ययन के मुताबिक पिछले अल-नीनो वर्षों के दौरान 77 जिलों में चावल का उत्पादन 10 फीसदी से ज्यादा घट गया था। वहीं मक्का उत्पादन भी 65 जिलों में गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। इसके अलावा ज्वार और बाजरा जैसी फसलों की पैदावार में भी कई जिलों में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक अल-नीनो की स्थिति तब बनती है जब प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका सीधा असर भारतीय मानसून पर पड़ता है और बारिश कम होती है। मानसून कमजोर होने से खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होती है, जिससे धान, मक्का और अन्य फसलों का उत्पादन घट जाता है। यह अध्ययन 2023 में प्रकाशित हुआ था, जिसमें 2002, 2004 और 2009 जैसे प्रमुख अल-नीनो वर्षों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया कि आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा के कई जिलों में धान की पैदावार में उल्लेखनीय कमी आई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इस साल भी अल-नीनो का प्रभाव रहा तो खरीफ फसलों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसी बीच उत्तर भारत में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जबकि आने वाले दिनों में इसके 45 डिग्री तक जाने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे हालात में यदि मानसून कमजोर रहता है तो खेती और जल संसाधनों दोनों पर दबाव बढ़ सकता है। आईसीएआर के कृषि भौतिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिकों का मानना है कि सरकार को अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। सूखा सहन करने वाली फसल किस्मों को बढ़ावा देना, किसानों को मौसम आधारित सलाह उपलब्ध कराना, सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना और जिला स्तर पर वैकल्पिक रणनीतियां तैयार करना बेहद जरूरी होगा। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अल-नीनो जैसी

घटनाएं अब ज्यादा देखने को मिल रही हैं, इसलिए पारंपरिक खेती पद्धतियों में बदलाव समय की मांग बन चुका है। किसानों की चिंता इस बात को लेकर भी है कि यदि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो धान की बुवाई और उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)
अपर जिलाधिकारी वित्त अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के अंतर्गत जनपद गाजियाबाद में प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं जनगणना कार्य निदेशालय के निदेर्शों के अनुरूप संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष संख्या-307 में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला जनगणना अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
बैठक में बताया गया कि भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना (एचएलओ) का कार्य 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक 30 दिनों की अवधि में संचालित किया जाएगा। इसके लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया चार्ज अधिकारियों द्वारा की जा रही है।
बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि सामान्य प्रशासन अनुभाग की अधिसूचना दिनांक 9 जनवरी 2026 तथा जिलाधिकारी के आदेश दिनांक 21 जनवरी 2026 के क्रम में जाहिद हुसैन एवं ओम प्रकाश यादव को अपर जिला जनगणना अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। अधिकारियों को जनगणना अधिनियम-1948 की धारा-11 के अंतर्गत विधिसम्मत रूप से जनगणना कार्य संपादित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
बैठक में निर्देश दिए गए कि जनपद में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य पूरी गुणवत्ता और तय समय सीमा में पूरा कराया जाए। इसके तहत जिला पंचायती राज अधिकारी को नगर पालिका परिषद मोदीनगर, मुरादनगर तथा नगर पंचायत डासना, पतला, निवाड़ी एवं फरीदनगर का चार्ज सौंपा गया है। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी को नगर पालिका परिषद लोनी एवं खोड़ा क्षेत्र का दायित्व दिया गया है।
सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने चार्ज अधिकारियों से संपर्क कर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के मोबाइल नंबर प्राप्त करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्मिक अपनी ड्यूटी प्राप्त कर एचएलओ एप पर लॉगिन करें। साथ ही प्रतिदिन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्धारित समयावधि में जनगणना कार्य पूर्ण कराया जाए।
बैठक में जिला पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग तथा सूचना विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एशियाई पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में पांच स्वर्ण पदक जीतने वाले संदीप बंसल सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। चीन में आयोजित एशियाई पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में पांच स्वर्ण पदक जीतकर देश और जनपद का नाम रोशन करने वाले व्यापारी कुल गौरव संदीप बंसल का व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा उनके आवास पर सम्मान किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने संदीप बंसल की उपलब्धि को पूरे व्यापारी समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया। सम्मान समारोह में संदीप बंसल एवं उनके पिता को फूलमाला पहनाकर और शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संदीप बंसल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर युवाओं के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। उनके द्वारा जीते गए पांच स्वर्ण पदक देश की खेल प्रतिभा और मेहनत का प्रतीक हैं। इस अवसर पर व्यापारी सुरक्षा फोरम के जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, राजेंद्र आड़ वाले, मनीष ट्रक वाले, दीपक गोयल, अनुज लोहे वाले तथा जिला महामंत्री पंकज अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने संदीप बंसल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

शांति भंग करने का प्रयास करने वाले किसी शरारती तत्व को नहीं बख्शा जाएगा : जिलाधिकारी जसजीत कौर

बिजनौर (शिखर समाचार)
जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि जिला प्रशासन आगामी ईद उल जूहा (बकराईद) त्योहार को पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक और सांप्रदायिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी शरारती तत्व द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया तो उसके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी बुधवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी ईद उल जूहा (बकराईद) पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से विभिन्न धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ आयोजित शांति समिति बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं।
उन्होंने उपस्थित धर्मगुरुओं एवं नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुबार्नी से संबंधित कोई भी तस्वीर साझा न की जाए और न ही ऐसी कोई पोस्ट डाली जाए, जिससे जिले की कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में खुले स्थान पर कुबार्नी न की जाए तथा पर्दे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों, नगर निकायों एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि कुबार्नी के अवशेषों के निस्तारण के लिए गहरे गड्ढों की व्यवस्था कराई जाए। साथ ही परिवहन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि अवशेष पूरी तरह ढके रहें और किसी भी स्थिति में सड़क पर न गिरें। उन्होंने कहा कि किसी भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाएगी और कोई भी व्यक्ति ऐसा कार्य न करे, जो पूर्व में प्रचलित न रहा हो। अभिषेक झा ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा पशु चोरों पर विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बड़ी कामयाबी: 18 संपत्तियों की नीलामी से कमाए 155.15 करोड़

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)।
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में विभिन्न योजनाओं की रिक्त व्यावसायिक, आवासीय और अन्य संपत्तियों की भव्य नीलामी आयोजित की गई। इस नीलामी प्रक्रिया में प्राधिकरण को विभिन्न संपत्तियों के सापेक्ष लगभग 155.15 करोड़ रुपये की संभावित आय प्राप्त होगी।
नीलामी में सबसे बड़ी कामयाबी कोयल एन्क्लेव योजना में मिली, जहाँ 02 ग्रुप हाउसिंग भूखंडों की सफल नीलामी से प्राधिकरण को 110.26 करोड़ रुपये हासिल हुए। इसके अलावा, कौशाम्बी योजना पॉकेट-ए के एक आवासीय भूखंड से 11.46 करोड़ रुपये और वैशाली योजना सेक्टर-03 के एक नर्सिंग होम भूखंड से 12.88 करोड़ रुपये की आय हुई। प्राधिकरण द्वारा जारी विवरण के अनुसार इंदिरापुरम के न्यायखंड-3 में एक कन्वीनिएंट शॉपिंग भूखंड को 0.36 करोड़ रुपये तथा ज्ञानखंड-3 में 06 दुकान भूखंडों को 06.52 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया। वहीं, प्रताप विहार योजना के एक डिस्पेंसरी भूखंड से 4.09 करोड़ रुपये, इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट-एच के 04 व्यावसायिक भूखंडों से 4.83 करोड़ रुपये, अंबेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सेंटर योजना के एक व्यावसायिक भूखंड से 3.86 करोड़ रुपये और संजय नगर सेक्टर-23 योजना की रिक्त भूमि से 0.55 करोड़ रुपये की उच्चतम बोली प्राप्त हुई। प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पूरी नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों के अनुरूप संपन्न कराई गई है। इस नीलामी से प्राप्त होने वाली भारी भरकम राशि का उपयोग शहर की आगामी विकास परियोजनाओं, आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के निर्माण और नागरिक सुविधाओं को और अधिक मजबूत व सुदृढ़ करने के लिए किया जाएगा।

श्री राम कथा में श्री राम-जानकी विवाहोत्सव की धूम, श्रद्धालु भक्ति में झूमे

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा में श्री राम-जानकी विवाहोत्सव बड़े ही धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। विवाहोत्सव के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर जमकर नाचे और पूरे पंडाल में जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। कथाव्यास डॉ. सर्वेश्वर ने सीता स्वयंवर प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि महाराज जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए यह शर्त रखी थी कि जो भगवान शिव के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। इस धनुष यज्ञ में देश-विदेश से राजा, महाराजा, राजकुमार, देवता तथा राक्षस भी विभिन्न रूपों में पहुंचे, लेकिन कोई भी उस धनुष को हिला तक नहीं सका। उन्होंने बताया कि मुनिवर विश्वामित्र के आदेश पर प्रभु श्रीराम ने शिव धनुष को उठाकर तोड़ दिया। कथाव्यास ने कहा कि यह धनुष केवल एक अस्त्र नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर वर्षों से जमी मृत मान्यताओं और अंधविश्वासों का प्रतीक है, जिनका टूटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज आस्तिक समाज में सबसे बड़ी अंध-धारणा यह है कि ईश्वर को देखा नहीं जा सकता, जबकि वेद, शास्त्र और पुराण इस बात की पुष्टि करते हैं कि ईश्वर प्रत्यक्ष दर्शन का विषय है। उन्होंने कहा कि ईश्वर के दर्शन बाहरी नेत्रों से नहीं, बल्कि दिव्य दृष्टि से होते हैं, जिसे शास्त्रों में शिवनेत्र, दिव्यदृष्टि, दशम द्वार और आज्ञाचक्र जैसे नामों से संबोधित किया गया है। कथाव्यास ने कहा कि पूर्ण सद्गुरु ब्रह्मज्ञान की दीक्षा देकर इस दिव्य नेत्र को जागृत करते हैं, जिससे साधक को अपने भीतर ही परमात्मा के दिव्य स्वरूप का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि तत्ववेत्ता सद्गुरु की कृपा से ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर ईश्वर का आत्मिक दर्शन करना ही मानव जीवन का परम लक्ष्य है। कार्यक्रम में साध्वी श्वेता भारती, साध्वी वसुधा भारती, दीपक अग्रवाल, नीरू अग्रवाल, सुधांशु महेश्वरी, प्रीति महेश्वरी, अरुण अग्रवाल, रचना अग्रवाल, अतुल चौकडात, अखिलेश, दीपक, राजपाल सिंह और लवलीन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हापुड़ में पहली बार सफलतापूर्वक हुई सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन सर्जरी

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज में पोस्ट-हिस्टेरेक्टॉमी वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स के उपचार हेतु पहली बार महिला मरीज की सफलतापूर्वक सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन सर्जरी की गई। यह जटिल एवं अत्याधुनिक सर्जरी प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा देवान एवं उनकी सर्जिकल टीम के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 46 वर्षीय मरीज राजबाला अस्पताल में गंभीर वैजाइनल उभार, असुविधा, दैनिक कार्यों में कठिनाई तथा थर्ड-डिग्री वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स से संबंधित समस्याओं की शिकायत लेकर पहुंचीं। लगभग 15 वर्ष पूर्व उनका एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद धीरे-धीरे उन्हें वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स एवं पेल्विक फ्लोर की कमजोरी की समस्या विकसित हो गई। इस स्थिति का उनके शारीरिक आराम, गतिशीलता, आत्मविश्वास एवं जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा था।
विस्तृत चिकित्सीय परीक्षण, पेल्विक मूल्यांकन एवं आवश्यक प्री-ऑपरेटिव जांचों के बाद मरीज को डिफिनिटिव पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के लिए तैयार किया गया। सर्जरी के दौरान अत्यंत सावधानीपूर्वक पेल्विक डिसेक्शन कर सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट की पहचान की गई, जो पेल्विस में स्थित एक मजबूत फाइब्रस संरचना है और वैजाइनल सस्पेंशन प्रक्रियाओं में स्थायी सहारा प्रदान करती है। इसके बाद वैजाइनल वॉल्ट को इस लिगामेंट से जोड़कर सामान्य पेल्विक संरचना एवं सपोर्ट को पुनर्स्थापित किया गया।
इसके अतिरिक्त मरीज में सिस्टोसील एवं रेक्टोसील की समस्या भी पाई गई, जो अग्र एवं पश्च वैजाइनल वॉल की कमजोरी को दशार्ती है। सभी पेल्विक फ्लोर दोषों को समग्र रूप से ठीक करने के लिए एंटीरियर कोल्पोरैफी द्वारा सिस्टोसील की मरम्मत एवं अग्र भाग को मजबूत किया गया, जबकि पोस्टीरियर कोल्पोपेरिनियोरैफी द्वारा रेक्टोसील को ठीक कर कमजोर पेरिनियल बॉडी का पुनर्निर्माण किया गया। सर्जरी बिना किसी इंट्रा-ऑपरेटिव अथवा पोस्ट ऑपरेटिव जटिलता के सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। उपयुक्त पोसएव ऑपरेटिव देखभाल एवं निगरानी के बाद मरीज को स्थिर अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया। स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. परिधि गर्ग ने बताया कि सैक्रोस्पाइनस लिगामेंट फिक्सेशन पोस्ट-हिस्टेरेक्टॉमी वैजाइनल वॉल्ट प्रोलैप्स के उपचार के लिए सबसे प्रभावी वैजाइनल सर्जरी में से एक मानी जाती है, विशेष रूप से रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं एवं पूर्व में हिस्टेरेक्टॉमी करा चुकी मरीजों में। यह प्रक्रिया बिना बड़े पेट के ऑपरेशन के पेल्विक सपोर्ट को पुनर्स्थापित करती है, जिससे मरीज को शीघ्र रिकवरी, कम जटिलताएं एवं दीर्घकालिक उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त होते हैं। सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन एवं संस्थापक डॉ. जे. रामचंद्रन ने चिकित्सा टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की उन्नत सर्जिकल विशेषज्ञता संस्थान को उत्कृष्ट रोगी देखभाल, शिक्षा, नवाचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचंद्रन ने भी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां संस्थान द्वारा आधुनिक चिकित्सा तकनीकों एवं विशेष उपचार पद्धतियों को अपनाने की निरंतर प्रगति को दशार्ती हैं। इस उपलब्धि की सराहना वरिष्ठ प्रबंधन टीम द्वारा भी की गई, जिसमें डॉ. बरखा गुप्ता, ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, एन. वर्धराजन, रघुवर दत्त एवं डॉ. मेजर जनरल चरणजीत सिंह अहलूवालिया शामिल रहे।

जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुआ किसान दिवस

हापुड़ (शिखर समाचार)। 20 मई 2026 को जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में प्रातः 11 बजे किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषकों एवं कृषक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप कृषि निदेशक हापुड़ योगेंद्र कुमार द्वारा सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं किसान भाइयों के स्वागत के साथ किया गया। उप कृषि निदेशक ने उपस्थित किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं बनी है, वे शीघ्र अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराएं। उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इसके साथ ही गत माह अप्रैल 2026 में आयोजित किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की आख्या भी किसानों के समक्ष पढ़कर सुनाई गई तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा निस्तारण की विस्तृत जानकारी दी गई। किसान दिवस में किसानों द्वारा विभिन्न समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत की गईं। इनमें गन्ना भुगतान, विद्युत व्यवस्था, तहसील संबंधी मामलों तथा सिंचाई विभाग से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। जिलाधिकारी कविता मीना ने सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों एवं विभागीय प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निस्तारण कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक कार्यालय, निकट कोतवाली हापुड़ में उपलब्ध कराई जाए तथा उसकी एक प्रति शिकायतकर्ता किसान को भी अनिवार्य रूप से प्रदान की जाए।

नेशनल हाईवे-9 पर चलती कार बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर बुधवार शाम उस समय अफरा तफरी मच गई, जब एक चलती टाटा हैरियर कार अचानक आग का गोला बन गई। कार सवार लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ निवासी राहुल चौधरी अपनी पत्नी की मौसी के बेटे को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर घर ले जाने के लिए रामा अस्पताल जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार अस्पताल के सामने पहुंची, तभी कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते कार में आग की लपटें उठने लगीं। स्थिति को भांपते हुए राहुल चौधरी ने तुरंत कार सड़क किनारे रोकी और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने अस्पताल से पानी मंगवाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग की चपेट में आ गई और धू-धू कर जलने लगी। चलती कार में आग लगने की घटना से हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी तत्काल मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। चीफ फायर ऑफिसर अजय शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास खड़े वाहनों और क्षेत्र में आग फैलने से रोक लिया गया।

मानसून से पहले शहर को सुंदर बनाने के लिए नगर आयुक्त ने की उद्यान विभाग के साथ बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शहर की ग्रीनरी और सुंदरता को बढ़ाने के लिए उद्यान तथा निर्माण विभाग अधिकारियों व टीम से बैठक की गई। बैठक में मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, निर्माण तथा उद्यान विभाग अवर अभियंता अधिशासी अभियंता सुपरवाइजर भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा शहर की ग्रीनरी बढ़ाने शहर के सौंदर्यकरण पर विशेष कार्य करने के निर्देश टीम को दिए। मालियों की उपस्थिति को लेकर भी नगर आयुक्त द्वारा उद्यान विभाग अधिकारियों को मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए कहा गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि शहर को स्वच्छता के साथ-साथ सुंदर बनाना भी निगम की प्राथमिकता है। निर्माण तथा उद्यान विभाग टीम को संयुक्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज पर लगे हुए पेड़ पौधों की कटिंग का कार्य, धूप को देखते हुए अधिक से अधिक पानी छिड़काव का कार्य, शहर में पार्कों में लगी घास और पेड़ पौधों पर पानी डालने का कार्य विशेष रूप से किया जा रहा है। निर्माण विभाग द्वारा सेंट्रल वर्ज ग्रीन बेल्ट या पार्क में हो रही टूट-फूट और मरम्मत के कार्यों को करने के लिए कहा गया है।प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थान पर विशेष रूप से ग्रीनरी बढ़ाने की निर्देश दिए गए। मानसून से पहले ही स्थान का चयन प्लांटेशन के लिए करने का कार्य किया जा रहा है। मोहन नगर चौराहा, कवि नगर चौराहा, वसुंधरा चौराहा, इंदिरापुरम चौराहा, सिटी जोन चौराहा, विजयनगर चौराहा पर ग्रीनरी बढ़ाने के लिए भी टीम को निर्देश दिए गए है।

हीट वेव और संचारी रोगों से बचाव को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद में बढ़ती गर्मी और संचारी रोगों के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कन्या वैदिक इंटर कॉलेज, गाजियाबाद में हीट वेव एवं संचारी रोगों से बचाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को गर्मी के दुष्प्रभावों तथा विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी जी.के. मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौरान शरीर में पानी की कमी नहीं होने देनी चाहिए तथा धूप में निकलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में लापरवाही बरतने से हीट वेव का खतरा बढ़ जाता है, जिससे स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने छात्राओं को अधिक से अधिक पानी पीने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने तथा दोपहर के समय तेज धूप से बचने की सलाह दी। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु वर्मा ने संचारी रोगों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए आसपास साफ-सफाई बनाए रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि घरों और विद्यालय परिसर में पानी जमा नहीं होने देना चाहिए, क्योंकि गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता अपनाने, हाथ धोने की आदत विकसित करने और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्या महिमा कटियार ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में सहायक मलेरिया अधिकारी नरेन्द्र कुमार सहित विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। जागरूकता अभियान के दौरान छात्राओं को हीट वेव और संचारी रोगों से बचाव के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

वॉल पेंटिंग प्रशिक्षण शिविर में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) श्री बांके बिहारी सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में ऋषिकुल ग्लोबल स्कूल में बच्चों के लिए वॉल पेंटिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। ट्रस्ट की संस्थापक गीता गर्ग तथा अध्यक्ष सौरभ गर्ग ने बच्चों को पेंटिंग निर्माण के लिए रंग, ब्रश एवं अन्य आवश्यक सामग्री की किट वितरित की। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने सामाजिक, पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर गीता गर्ग ने कहा कि कला बच्चों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की कल्पनाशक्ति, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। विद्यालय की डायरेक्टर ममता त्यागी एवं प्रधानाचार्या आकांक्षा त्यागी ने ट्रस्ट पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्या, सीमा एवं मोनिका सहित विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

गोमतीनगर से वाराणसी होते हुए खोरधा तक चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

वाराणसी, एजेंसी। रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए गोमतीनगर से वाराणसी होते हुए खोरधा रोड तक समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। 28 मई से इस ट्रेन की शुरुआत होगी, जो हर बृहस्पतिवार को 18 जून तक चलेगी। वहीं, वापसी में खोरधा रोड से यह ट्रेन 30 मई से 20 जून तक हर शनिवार को चलाई जाएगी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि ट्रेन नंबर 05064 गोमतीनगर से शाम 6 :55 बजे चलकर गोंडा, बस्ती होते हुए दूसरे दिन रात 12 :15 बजे पहुंचेगी। यहां से देवरिया, मऊ, औड़िहार के रास्ते सुबह 7 :20 बजे वाराणसी स्टेशन आएगी। इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया, कोडरमा, बांकुडा और हिजली होते हुए तीसरे दिन रात 2 :25 बजे खोरधा रोड पहुंचेगी।

पांच मिनट में पहुंचेंगे नए से पुराने टर्मिनल, स्मार्ट ग्लास कॉरिडोर भी बनाया जाएगा

वाराणसी, एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विस्तारीकरण का काम चल रहा है। इसके बाद वहां यात्रियों के लिए कई सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। एयरपोर्ट पर दो टर्मिनल भवन होंगे। इसमें नए से पुराने टर्मिनल तक जाने के लिए यात्रियों को बाहर नहीं जाना होगा। इसके लिए स्मार्ट ग्लास कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिससे बिना भीड़भाड़ के महज 5 मिनट में एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक पहुंचा जा सकेगा। एयरपोर्ट पर पहले से एक टर्मिनल भवन है। इसके अलावा विस्तारीकरण के तहत एक और नया टर्मिनल भवन बनाया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद पुराने टर्मिनल भवन से अंतरराष्ट्रीय और नए टर्मिनल भवन से घरेलू उड़ानों का संचालन होगा। एयरपोर्ट परिसर काफी बड़ा हो जाएगा। ऐसे में यात्रियों को एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक जाने में सहूलियत हो, इसके लिए दोनों भवनों के बीच स्मार्ट ग्लास कॉरिडोर बनाया जाएगा। यह पूरी तरह कांच से ढका और वातानुकूलित होगा। बाहर का दृश्य साफ दिखाई देगा, जिससे खुलापन महसूस होगा। इसमें एक चलती पट्टी (ट्रेवलेटर) भी लगाई जा सकती है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों को सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विस्तारीकरण के तहत कई बदलाव किए जा रहे हैं। इसमें काशी की संस्कृति को दर्शाती डिजाइन, प्रवेश द्वार आदि को आधुनिक बनाया जा रहा है। इसी कार्य के तहत दोनों टर्मिनल भवनों के बीच स्मार्ट ग्लास कॉरिडोर भी बनाया जाएगा, जो दोनों भवनों को जोड़ेगा। इससे यात्रियों को सहूलियत होगी।

वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

दादरी (शिखर समाचार)। तहसील दादरी क्षेत्र के कटहेरा गांव स्थित बीएस एकेडमी स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि बॉलीवुड कप्तान निर्मल तंवर तथा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के तहसील अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की मजबूत नींव तैयार करने में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि अध्यापकों को निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ बच्चों को शिक्षा देनी चाहिए, क्योंकि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं। मुख्य अतिथियों ने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश के विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। शिक्षा का कोई बंटवारा नहीं होता और यही जीवन में उजाला लाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उनका कहना था कि खेल टीम भावना, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं तथा लक्ष्य प्राप्ति में भी सहायक होते हैं। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 8 तक विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर सोनिका नागर, योगेश भाटी, विवेक भाटी, जतन भाटी, मनीष बीडीसी, तनु भाटी, विनोद भाटी सहित विद्यालय परिवार और अभिभावक मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमला, फायरिंग मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर के घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध पिस्टल और डंडे बरामद कर कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि 17 मई की शाम फरीदाबाद निवासी सुभाष चपराना मायचा की मड़ैया गांव स्थित अपने मकान पर आए हुए थे। सुभाष चपराना प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले मोंटी उर्फ कविंद्र, शिवम कुमार और आशीष कुमार ने पुरानी रंजिश के चलते उनके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। पीड़ित को गंभीर रूप से घायल करने के बाद आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायरिंग भी की। हालांकि गोली लगने से वह बाल-बाल बच गए। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली दादरी में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को मायचा गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और डंडे बरामद किए गए।

शहीद पथ के किनारे बनेगा 1010 बेड का नया अस्पताल

लोहिया संस्थान कराएगा निर्माण

लखनऊ, एजेंसी। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के शहीद पथ के किनारे मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर के सामने खाली 20 एकड़ जमीन पर 1010 बेड का नया अस्पताल बनाया जाएगा। दो वर्ष में इसका निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। नए भवन में स्पेशिएलिटी विभागों का संचालन होगा। अभी ये विभाग गोमतीनगर के पुराने भवन में चल रहे हैं।

नए भवन में इन विभागों के शिफ्ट होने के बाद परिसर में सुपर स्पेशिएलिटी विभाग के बेड व अन्य सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इससे गंभीर रोगियों की भर्ती की राह आसान होगी। लोहिया संस्थान में 1250 बेड हैं। नए भवन में 1010 बेड होंगे। उधर, एसजीपीजीआइ में 2200 बेड पर मरीजों की भर्ती होती है। इस तरह लोहिया संस्थान के दोनों परिसरों में बेड की कुल क्षमता एसजीपीजीआई के बराबर हो जाएगी।

लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि नए अस्पताल में ओपीडी भवन, सामान्य मेडिसिन, ईएनटी, जनरल सर्जरी, स्किन, नेत्र, त्वचा, हड्डी, इमरजेंसी, आईसीयू वार्ड के अलावा ओटी, पैथोलॉजी व टीचिंग ब्लॉक की सुविधा मिलेगी। मातृ एवं शिशु अस्पताल में 300 से अधिक बेड पर पीडियाट्रिक और गाइनी विभाग चल रहे हैं। यहां पर 100 बेड का क्रिटिकल केयर वार्ड बन रहा है। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया मातृ एवं शिशु अस्पताल और 1010 बेड वाले अस्पताल के बीच सड़क है। इन्हें आपस में जोड़ने

के लिए ओवरब्रिज बनाया जाएगा।

इससे मरीजों को शिफ्ट करने में आसानी होगी। प्रो. सीएम सिंह ने बताया कि नया अस्पताल बनाने के लिए टेंडर से लेकर सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। दोनों परिसर में अलग-अलग इमरजेंसी होगी, जिससे गंभीर मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने दी बधाई : लोहिया संस्थान के नए अस्पताल को मंजूरी दिए जाने पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि 855 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली इस परियोजना से राजधानी सहित पूरे प्रदेश के मरीजों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। यह भी कहा कि सरोजनीनगर तेजी से प्रदेश की स्वास्थ्य राजधानी के रूप में विकसित हो रहा है।

खेल-खेल में बच्चों-किशोरों में दूर किया जा रहा मनोविकार

भारतीय सैंड ट्रे थेरेपी से हो रहा इलाज

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू के मनोरोग विभाग में अनूठी थेरेपी की शुरुआत हुई है। मनोरोग से जूझ रहे बच्चों व किशोरों को भारी-भरकम दवाओं और साइड इफेक्ट से बचाने के लिए भारतीय सैंड ट्रे थेरेपी (बालू भरे ट्रे से उपचार) का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस अनूठी थेरेपी से बच्चे खेल-खेल में मानसिक उलझनों से बाहर आ रहे हैं। इसके साथ ही उनकी रचनात्मकता भी निखर रही है।

बाल मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अमित आर्या बताते हैं कि थेरेपी की सबसे बड़ी खासियत इसका भारतीयकरण है। कुछ अस्पतालों में यूरोपियन सैंड ट्रे थेरेपी का सहारा लिया जाता है। इसमें यूरोपियन संस्कृति से जुड़े खिलौने होते हैं। इसका भारतीय बच्चों पर उतना असर नहीं होता। केजीएमयू में सैंड ट्रे थेरेपी में इस्तेमाल किए जाने वाले खिलौने पूरी तरह से देसी हैं। इनमें आदिवासी समुदाय से लेकर विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और वहां की संस्कृतियों पर आधारित खिलौने व आकृतियां रखी गई हैं।

डॉ. अमित ने कहा कि भारतीय संस्कृति से जुड़े खिलौने बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़कर सुरक्षित माहौल का अहसास कराते हैं। इससे मोबाइल फोन की

लत छुड़ाना भी आसान है। हर सप्ताह इस थेरेपी के 12 से 20 सेशन होते हैं। मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक अग्रवाल, सेंसरी इंटिग्रेशन थेरेपिस्ट अजय और थेरेपिस्ट श्रीतोष की देखरेख में बच्चों और किशोरों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है।

क्या है सैंड ट्रे थेरेपी? : मनोरोग विभाग में तैयार की गई विशेष सैंड ट्रे (रेत से भरी ट्रे) में बच्चे कल्पनाओं और मन की दुनिया को आकार देते हैं। ऑटिज्म या अन्य मनोरोग से पीड़ित बच्चे जो अपनी बात खुलकर नहीं कह पाते, वे इस रेत पर खिलौनों से भावनाओं को उजागर कर देते हैं। बच्चे इन सांस्कृतिक प्रतीकों और खिलौनों को रेत पर सजाकर अनजाने में अपने अवचेतन मन की बात चिकित्सकों के सामने रख देते हैं।

इस थेरेपी के फायदे

- बच्चों को छोटी उम्र में ही नींद, तनाव की दवाएं देने से बचा जा सकता है।
- खेल-खेल में बच्चों की सोच और एकाग्रता बेहतर होती है।
- बिना किसी दर्द या दबाव के बच्चे मानसिक विकारों से बाहर आ सकते हैं।
- प्राकृतिक रूप से चिड़चिड़ापन, तनाव कम होता है। रचनात्मकता बढ़ती है।

शूटिंग चैंपियनशिप में शामली के निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन, जीते पदक व ट्रॉफी

शामली (शिखर समाचार) हापुड़ में 16 से 19 मई तक आयोजित चतुर्थ श्री राज कृपाल बाबू मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में शामली राइफल क्लब के प्रशिक्षु निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी और पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता के एयर पिस्टल आईएसएसएफ यूथ वर्ग में शामली निवासी नेशनल मेडलिस्ट जतिन निर्वाल ने टॉप-8 खिलाड़ियों के फाइनल मुकाबले में मेरठ के अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज चिराग शर्मा को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजन समिति ने उन्हें 8100 रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसी वर्ग में बागपत के अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज मोनू कुमार तीसरे स्थान पर रहे। वहीं एयर राइफल एनआर वर्ग में थानाभवन

निवासी कनक सैनी ने फाइनल मुकाबले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन समिति द्वारा उन्हें 6100 रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कनक सैनी ने एयर राइफल एनआर यूथ बालक वर्ग में 612.7 अंकों के साथ स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया। इसके अलावा एयर राइफल आईएसएसएफ यूथ बालक वर्ग में विधान प्रताप सिंह ने 620.4 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। एयर पिस्टल आईएसएसएफ यूथ वर्ग में जतिन निर्वाल ने 576/600 अंकों के साथ कांस्य पदक भी जीता। बुधवार को शामली राइफल क्लब के अध्यक्ष मुकेश चौधरी और डायरेक्टर तपन मलिक ने ट्रॉफी विजेता खिलाड़ियों जतिन निर्वाल और कनक सैनी को सम्मानित किया।

गंगा दशहरा पर मेरठ परिक्षेत्र में कड़े सुरक्षा प्रबंध, ब्रजघाट पर विशेष निगरानी

मेरठ (शिखर समाचार)। गंगा दशहरा पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बताया कि पर्व के दौरान गंगा सहित अन्य प्रमुख नदियों के घाटों पर लाखों श्रद्धालु स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, जिसके मद्देनजर सुरक्षा, यातायात और आपदा प्रबंधन की विशेष तैयारियां की गई हैं।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिक्षेत्र के जनपदों में 6 अपर पुलिस अधीक्षक, 19 क्षेत्राधिकारी, 87 निरीक्षक, 523 उपनिरीक्षक, 634 मुख्य आरक्षी, 638 आरक्षी, 240 होमगार्ड/पीआरडी जवान तथा 3 कंपनी पीएसी तैनात की गई है। मेरठ परिक्षेत्र के चारों जनपदों मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में कुल 23 घाटों पर स्नान होगा। इनमें मेरठ में 5, बुलंदशहर में 14, बागपत में 1 तथा हापुड़ में 3 घाट शामिल हैं।

डीआईजी ने बताया कि हापुड़ जनपद की तीर्थनगरी ब्रजघाट में दूर-दराज क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए हापुड़ को अन्य जनपदों से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध

कराया गया है। इसमें 5 पुलिस उपाधीक्षक, 25 निरीक्षक, 140 उपनिरीक्षक, 350 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 40 महिला उपनिरीक्षक, 130 महिला मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 15 यातायात उपनिरीक्षक तथा 40 यातायात आरक्षी तैनात किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त पीएसी, फ्लड पीएसी, फायर टेंडर, यातायात वाहन, क्रेन, एंबुलेंस, बीडीएस टीम, हैंड हेल्ड सेट और स्टेटिक सेट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जल पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, घुड़सवार पुलिस, महिला पुलिस एवं यातायात पुलिस की भी ड्यूटी लगाई गई है।

पुलिस प्रशासन ने सभी घाटों पर बैरिकेडिंग, गहरे पानी के चेतावनी बोर्ड, नावों पर लाइफ जैकेट और रेट सूची लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं महिलाओं से छेड़छाड़, चेन स्नैचिंग और झपटमारी रोकने के लिए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। घाटों और मेलों में भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था के लिए विशेष योजना लागू की गई है।

परिक्षेत्र के सभी जनपदों में पीस कमेटी, धर्मगुरुओं, शांति समिति, आयोजकों और विभिन्न विभागों के साथ बैठकें भी आयोजित की गई हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ाने, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई करने और किसी भी नई विवादित परंपरा की अनुमति न देने के निर्देश भी दिए हैं।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी स्नान स्थलों का भौतिक सत्यापन कर सुरक्षा योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए कंटीजेंसी प्लान तैयार रखा जाए।

अमरनाथ यात्रा पर जा सकेंगे जैतपुर के 47 श्रद्धालु, पंजीकरण की हुई पुष्टि

आगरा एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड में पंजीकरण कराने वाले जैतपुर के 47 श्रद्धालुओं का चिकित्सीय परीक्षण जिला अस्पताल आगरा में हुआ था। बोर्ड ने चिकित्सीय परीक्षण रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे।

जैतपुर के राजू नौपुत्र ने जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत में मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में कहा था कि उन्होंने एवं राजू सिंह, कृष्ण कुमार, बृजेश कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार महेरा आदि ने जिला अस्पताल आगरा में चिकित्सीय परीक्षण कराया था। अमरनाथ यात्रा के लिए आरक्षण भी करा लिया है। उन्होंने बताया कि अमरनाथ श्राइनबोर्ड ने चिकित्सीय परीक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति उठाकर फोन कॉल पर कहा था कि जिला अस्पताल की ई-मेल आईडी से चिकित्सकों की सूची मिलने पर ही पंजीकरण संभव होगा।

जैतपुर से 90 किमी दूर जिला अस्पताल में शनिवार को दिनभर भटकने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका था। उन्होंने मुख्यमंत्री से अमरनाथ यात्रा में आड़े आ रही समस्या के समाधान की गुहार लगाई थी। सोमवार को राजू नौपुत्र, सर्वेश मिश्रा, गुड्डू बिधौलिया, केके यादव, ओमवीर भदौरिया, बच्चू सिंह आदि जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉ. अजय यादव ने बताया कि श्राइन बोर्ड को ई-मेल पर परीक्षण करने वाले चिकित्सकों की सूची भेज दी है।

श्राइन बोर्ड के अधिकारी वसीमदार ने जैतपुर के राजू नौपुत्र आदि को फोन कॉल पर डॉक्टरों की सूची मिलने एवं पंजीकरण की पुष्टि कर दी। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए डॉ. अजय यादव को नोडल अधिकारी बनाने के साथ और ईएनटी, नेत्र रोग, हड्डी रोग और फिजीशियन विशेषज्ञों के पैनल बनाए हैं।

इन चारों के हस्ताक्षर से ही प्रमाणपत्र जारी हो रहे हैं। इसकी सूची डीजीएमई कार्यालय भी भेजी थी। यहां से नोडल अधिकारी का ही नाम श्राइन बोर्ड को भेजा, बोर्ड के सदस्यों की सूची नहीं भेजी। जैतपुर के 47 लोगों ने फिटनेस प्रमाणपत्र सीधे श्राइन बोर्ड को भेज दिए, जिसमें नोडल के हस्ताक्षर नहीं होने पर इनको संदिग्ध बताया। श्राइन बोर्ड को इसकी रिपोर्ट और पैनल के अन्य सदस्यों के नाम भी भेज दिए हैं।

किसान दिवस में उठीं समस्याएं, अधिकारियों ने दी कृषि योजनाओं और तकनीकी जानकारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) गौतमबुद्ध नगर में किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से विकास भवन स्थित कृषि विभाग कार्यालय में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक ने की। किसान दिवस में जनपद के प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर अपनी विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री, धान एवं ढैंचा बीज की उपलब्धता तथा विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. विनिता सिंह ने संतुलित उर्वरकों के प्रयोग के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए वैज्ञानिक तरीके से उर्वरकों के उपयोग द्वारा उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए। वहीं उद्यान विभाग के प्रेम शंकर शर्मा ने औद्यानिक फसलों के क्षेत्रफल में

वृद्धि को लेकर किसानों को जागरूक किया।

मत्स्य विभाग के हरीशंकर त्रिपाठी ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा इससे किसानों की आय में वृद्धि के संबंध में जानकारी साझा की।

किसान दिवस में सिंचाई, ऊर्जा, कृषि उत्पादन, उद्यान, मत्स्य, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन विभागों के अधिकारियों सहित एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के क्षेत्रीय प्रबंधक भी मौजूद रहे।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीद के लिए किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़ी किसानों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उप कृषि निदेशक ने उपस्थित किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए किसान दिवस के समापन की घोषणा की।

उत्तराखंड के उभरते सितारे अनय नेगी का कमाल, क्रिकेट जगत में चमका प्रतिभा का सूरज

पौड़ी गढ़वाल/उत्तराखंड (शिखर समाचार)। कम उम्र में बड़े सपनों और शानदार प्रदर्शन के दम पर उत्तराखंड के युवा क्रिकेटर अनय नेगी लगातार सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। 18 अक्टूबर 2009 को जन्मे अनय नेगी एक प्रतिभाशाली ओपनर बल्लेबाज और तेज गेंदबाज हैं, जिनका सपना भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलना और दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बनना है। अनय अपने आदर्श भारतीय स्टार ऑलराउंडर लंर्थ़ी ढंल्लिटं को मानते हैं। अनय ने वर्ष 2023-24 में अंडर-14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी से अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत की, जहां उन्होंने राजस्थान के खिलाफ शानदार 143 रन बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसके बाद 2024-25 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ 71

रन और कर्नाटक के विरुद्ध 90 रन की दमदार पारी खेली। वहीं 2025-26 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अनय ने केवल 5 मैचों में 373 रन बनाए, जिसमें कर्नाटक के खिलाफ 131 रन की बेहतरीन शतकीय पारी और तीन अर्धशतक शामिल रहे। पूरे टूर्नामेंट में उनका औसत 65 रहा। अनय के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनका चयन अंडर-16 एनसीए/सीओई कैंप जयपुर के लिए भी किया गया, जो उनके क्रिकेट भविष्य के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अनय के पिता नरेंद्र नेगी स्वयं पूर्व क्रिकेटर एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर हैं, जबकि माता दीप्तिशिखा नेगी शिक्षिका हैं। उनके कोच मुकेश कुमार लगातार उन्हें प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनके छोटे भाई आरोन नेगी भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। पौड़ी गढ़वाल के कोटवाड़ा क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे अनय नेगी आज उत्तराखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अनय इसी मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले समय में वह भारतीय क्रिकेट का बड़ा नाम बन सकते।

बिजनौर पुलिस ने कुपवाड़ा से बरामद किया धर्मांतरित नाबालिग, पूछताछ जारी

बिजनौर (शिखर समाचार) अभिषेक झा ने बताया कि थाना शहर कोतवाली पुलिस ने जम्मू-कश्मीर में नाबालिग के कथित जबरन धर्मांतरण मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने नाबालिग को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा से बरामद किया है और उसे बिजनौर लाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र निवासी नाबालिग युवक गांव के ही एक अन्य युवक के साथ काम सीखने के लिए जम्मू-कश्मीर गया था। वह 4 अक्टूबर 2023 को बांदीपोरा में हेयर कटिंग का काम सीखने पहुंचा था। इसके बाद वर्ष 2025 में उसने बारामूला में काम किया और अप्रैल 2026 से वह कुपवाड़ा में रह रहा था। आरोप है कि 15 मई 2026 को जम्मू-कश्मीर की एक मस्जिद में नाबालिग का धर्म परिवर्तन कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित

के पिता ने 18 मई 2026 को बिजनौर के थाना शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। मामला दर्ज होते ही बिजनौर पुलिस सक्रिय हो गई और एक टीम को जम्मू-कश्मीर रवाना किया गया। पुलिस टीम ने कुपवाड़ा से नाबालिग को बरामद कर लिया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि बिजनौर पहुंचने के बाद नाबालिग से गहन पूछताछ की जाएगी। पूछताछ में सामने आने वाले तथ्यों और पीड़ित के बयानों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गर्मी में राहगिरों को बचाने के लिए नगर निगम ने नवयुग मार्केट रेड लाइट पर लगाई ग्रीन नेट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार बढ़ती गर्मी को देखते हुए गाजियाबाद नगर निगम विशेष कार्य कर रहा है, जिसमें सार्वजनिक स्थलों पर पानी के प्याऊ भी लगाए गए है। वहीं तेज धूप से बचाव के लिए रेड लाइट पर ग्रीन नेट लगाने की कार्यवाही भी चल रही है। कवि नगर जोन अंतर्गत हापुड़ चुंगी रेड लाइट पर ग्रीन नेट से यात्रियों या राहगिरियों को राहत मिल रही है। नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार सिटी जोन नवयुग मार्केट रेड लाइट पर भी 30 मीटर लंबी ग्रीन नेट लगाई गई है, जिसका स्ट्रक्चर स्थाई रूप से लगाया गया है। आवश्यकता को देखते हुए ग्रीन नेट अन्य स्थानों पर लगाने की योजना भी बनाई जा रही है। मुख्य अभियंता

निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग गर्मी की स्थिति को देखते हुए रेड लाइट पर धूप में खड़े रहने वाले वाहन चालकों राहगिरियों के लिए ग्रीन नेट लगाने का कार्य कर रहा है। हापुड़ चुंगी के बाद नवयुग मार्केट रेड लाइट पर ग्रीन नेट लगाई गई है, जिससे राहगीर छांव में रुक कर ग्रीन सिग्नल का इंतजार कर सकेंगे। ठाकुरद्वारा जाने वाले मार्ग तथा ठाकुरद्वारा से आने वाले मार्ग दोनों तरफ नवयुग मार्केट रेड लाइट पर ग्रीन नेट लगाए गए है। नवयुग मार्केट रेड लाइट से अधिक ट्रैफिक हापुड़ मेरठ दिल्ली के लिए निकलता है। आवश्यकता को देखते हुए ग्रीन नेट लगाने का कार्य प्रारंभ कराया गया है। इसके अलावा नगर आयुक्त ने निरीक्षण करते हुए कार्य तेजी से करने के निर्देश टीम को दिए है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का व्यापारी सम्मेलन, जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

जेवर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जेवर मंडल इकाई द्वारा व्यापारी एवं कारोबारी सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन जेवर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के एनसीआर चेयरमैन डॉ. पीयूष द्विवेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय जैन ने की। सम्मेलन में क्षेत्र के व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेघा रूपम, ग्रेटर नोएडा डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह तथा एसडीएम दुर्गेश सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों ने व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया। इस दौरान कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि अन्य समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

व्यापार मंडल की ओर से जिलाधिकारी और डीसीपी को विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में अनाज मंडी में हो रही अवैध पार्किंग पर रोक लगाने, मंडी में वाटर कूलर एवं पेयजल व्यवस्था कराने, यमुना एक्सप्रेसवे से खुर्जा रोड और झज्जर रोड को चौड़ा कराने, जाम एवं सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई।

जिलाधिकारी मेघा रूपम ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने एसडीएम दुर्गेश सिंह को निर्देश दिए कि व्यापारियों द्वारा उठाई गई मांगों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जिला गौतमबुद्ध नगर के जिला महासचिव अमित अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, महासचिव राहुल भाटिया, सचिव सुनील वर्मा, डॉ. जे.एस. बेदी तथा तनवीर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जेवर मंडल इकाई से अध्यक्ष संजय महेश्वरी, महासचिव कुलदीप पंडित, संरक्षक जैनेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, अंबर सिंगल समेत बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जेवर, जहांगीरपुर और रबूपुरा क्षेत्र के लगभग 200 से अधिक व्यापारियों एवं उद्यमियों ने भाग लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। सम्मेलन के दौरान व्यापारियों ने प्रशासन से क्षेत्र के विकास एवं व्यापारिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की।

स्योहारा में अभाविप ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित, एंबिएंस मंडप में जुटा हुजूम

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जिला धामपुर की नगर इकाई के तत्वावधान में एंबिएंस मंडप में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 12 के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन गोल्डन बेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधक सरदार गुरविंदर सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया, जबकि संचालन कुणाल ने किया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है तथा युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्य अतिथि और विशिष्ट वक्ताओं ने विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने, समाज के प्रति जिम्मेदार बनने तथा राष्ट्रहित में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्रों को सम्मानित किए जाने पर अभिभावकों और उपस्थित लोगों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर मेरठ प्रांत के प्रांत मंत्री गौरव गौड़, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, रोटेरियन हरिओम सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अर्पित त्यागी, आरुषि पाल, हरिओम सिंह हेरी गुज्जर और अंजली वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं अभाविप कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

किसानों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ बीकेयू टिकैत ने की बैठक

जेवर। (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने बुधवार को किसानों एवं क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ तहसील परिसर में बैठक की। इस दौरान किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई तथा 30 मई तक कार्रवाई किए जाने की मांग करते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। यूनियन के जिला मीडिया प्रभारी एवं जिला प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं प्रदेश प्रवक्ता पवन खटाना, कोऑर्डिनेटर जिला अध्यक्ष राजीव मलिक तथा जिला अध्यक्ष रॉबिन नागर के नेतृत्व में आयोजित बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में एसडीएम दुर्गेश सिंह, तहसीलदार ओम प्रकाश पासवान, नायब तहसीलदार अजेंद्र कुमार, विद्युत विभाग के एसडीओ विशाल कुमार, अजय यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में यूनियन पदाधिकारियों ने खतौनी, दाखिल-खारिज में हो रही देरी, विस्थापन नीति, खाद उपलब्धता तथा विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेसवे से खुर्जा रोड पर दोनों ओर उतरने-चढ़ने के लिए सीढ़ियां बनाए जाने की मांग की गई। दाऊजी मंदिर से जैन अस्पताल तक सड़क पर जलभराव की समस्या का भी मुद्दा अधिकारियों के सामने रखा गया। यूनियन ने किसानों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे को टोल फ्री किए जाने की मांग भी की। अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर राकेश चौधरी, दीन मोहम्मद, शमशाद सैफी, केशव शर्मा, विजेंद्र सिंह, जीते गुर्जर, डब्बू, विक्रांत, राजमल, मुकेश, प्रीतम, प्रशांत, अफसर, सुमन सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जेवर में भीषण अग्निकांड, सवा करोड़ का माल जलकर राख

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर की मुख्य मार्केट स्थित मोरनी हवेली के पीछे बुधवार सुबह एक रेडीमेड एवं जूते की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरी दुकान उसकी चपेट में आ गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक करीब सवा करोड़ रुपये का सामान जलकर राख हो चुका था। जानकारी के अनुसार कस्बे की मुख्य मार्केट में मोरनी हवेली के पीछे सचिन मित्तल की कृष्णा रेडीमेड एवं शू पैलेस नाम से दुकान है। दुकान के पास ही उनका मकान भी बना हुआ है। बुधवार सुबह करीब पांच बजे नगर पंचायत का सफाई कर्मचारी बाजार में सफाई करने पहुंचा तो उसने दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देखीं। उसने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को जगाया। आग तेजी से फैलने लगी और कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें दुकानदार के मकान के गेट तक पहुंच गईं, जबकि धुएं के कारण घर के अंदर मौजूद परिवार को सांस लेने में भारी परेशानी होने लगी। स्थानीय लोगों की मदद से परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भीषण थी कि दुकान की दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम दो दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और लगातार करीब दो घंटे तक

राहत एवं बचाव कार्य चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक दुकान में रखा रेडीमेड कपड़ों, जूतों एवं अन्य सामान सहित करीब सवा करोड़ रुपये का माल जलकर राख हो गया। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुकान का लेंटर तक फट गया और दूसरी मंजिल की छत भी भरभराकर गिर गई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के चलते हादसा हुआ हो सकता है। वहीं इस घटना के बाद दुकानदार और उसका परिवार गहरे सदमे में है।

जानसठ प्रेस क्लब के अध्यक्ष बने मंगल सिंह गुर्जर, अमित शर्मा महासचिव नियुक्त

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। जानसठ प्रेस क्लब की आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें मंगल सिंह गुर्जर को अध्यक्ष एवं अमित शर्मा को महासचिव चुना गया। वहीं अशोक काकरान तथा आरिफ शीशमहली एडवोकेट को संरक्षक बनाया गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष नरेश सैनी ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष पद पर रहते हुए संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया और सभी पत्रकार साथियों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि संगठन के नियमों के अनुसार समय-समय पर चुनाव एवं नई कार्यकारिणी का गठन आवश्यक होता है, इसी उद्देश्य से संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से चयन किया गया। निशांत कांबोज एडवोकेट को कोषाध्यक्ष, अनुज कुमार सैनी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजीव प्रजापति उर्फ मिंटू को उपाध्यक्ष, जगदीश प्रजापति को सहसचिव, अजय खत्री को संगठन मंत्री, सुशील कुमार को मीडिया प्रभारी तथा भवन सिंह को ऑडिटर चुना गया। बैठक में सभी पदाधिकारियों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पत्रकार साथियों ने स्वागत करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई।

बढ़ते अपराध, स्मैक कारोबार और बेटियों के शोषण पर भड़के विधायक किरत सिंह

गंगोह/सहारनपुर (शिखर समाचार)। किरत सिंह ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों, स्मैक व अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार, अवैध शराब बिक्री, अवैध रेत खनन और भूमाफियाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने घंटों के किराये पर कमरे लेकर बेटियों से अनैतिक कार्य कराने संबंधी चचाओं और अफवाहों को बेहद गंभीर बताते हुए ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कठोर दंड देने की मांग की। पत्रकारों से बातचीत में विधायक किरत सिंह ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वे किसी भी प्रकार की लीपापोती किए बिना गलत कार्यों में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि इन अवैध धंधों में शामिल लोगों के साथ साथ उनके संरक्षणदाताओं और प्रभावशाली मददगारों को भी चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाए। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में अपराध और अनैतिक गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए जल्द ही एक निजी हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा, ताकि आम नागरिक सीधे शिकायत दर्ज करा सकें और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हो सके। इस दौरान विधायक ने आईटीआई के मृतक चौकीदार आदित्य पुत्र नीटू के गरीब पिता के लिए आवास बनवाने का आग्रह खंड विकास अधिकारी और उपजिलाधिकारी से किया। साथ ही बिजली आपूर्ति बाधित रहने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। शिव चौक से तीतरों बाईपास तक जर्जर सड़क के कारण हो रही दुर्घटनाओं को गंभीर बताते हुए लोक निर्माण विभाग के अभियंता को तत्काल सड़क निर्माण कराने के निर्देश दिए। बैठक में उपजिलाधिकारी नकुड़ सुरेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी गंगोह अशोक सिसोदिया, क्षेत्राधिकारी नकुड़ रुचि गुप्ता, खंड विकास अधिकारी असलम परवेज, निदेशक सत्यपाल सिंह, जिला महामंत्री राधेश्याम शर्मा, मांगेराम सैनी, मनोज राणा, मनोज चौधरी, राजपाल सैनी, वीरसैन कश्यप, सभासद नीरज अग्रवाल, नवीन सैनी और राजेश गांधी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा बैठक संपन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गौ आश्रय स्थलों के संचालन, प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा को लेकर जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना निदेशक नेहा सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में गो संवर्धन एवं संरक्षण कोष में धनराशि एकत्रित करने तथा उसके प्रभावी उपयोग को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एडीएम न्यायिक ने कहा कि विभिन्न संस्थानों, सामाजिक संगठनों और जनसहभागिता के माध्यम से इस कोष को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने जनपदवासियों से गौ संरक्षण के लिए अधिक से अधिक सहयोग और सहभागिता करने की अपील की।

उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में निराश्रित गोवंशों के शत-प्रतिशत संरक्षण के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही सभी गौ आश्रय स्थलों में गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

गर्मी के मौसम को देखते हुए एडीएम न्यायिक ने विशेष निर्देश जारी करते हुए कहा कि गौशालाओं में पर्याप्त छायादार स्थान, स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल, पंखे, कूलिंग सिस्टम तथा हीट वेव से बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त ग्राम सभाओं की खाली पड़ी भूमि पर हरा चारा उगाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए, जिससे गौशालाओं के लिए स्थायी रूप से चारे की उपलब्धता बनी रहे। बैठक में सभी नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण करने तथा गोवंशों की वास्तविक संख्या का सत्यापन रजिस्टर और पोर्टल से मिलान कर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

साथ ही गौ आश्रय केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों का आईपी एड्रेस एवं आईडी-पासवर्ड तीन दिन के भीतर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने कहा कि गौ संरक्षण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

श्री कुन्द कुन्द जैन कॉलेज में स्व-गणना जागरूकता अभियान आयोजित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुन्द कुन्द जैन (पी.जी.) कॉलेज में शासन एवं जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर के निर्देशानुसार जनगणना-2027 के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शासन के निर्देशानुसार जनपद में 14 मई 2026 से 21 मई 2026 तक डिजिटल माध्यम से ह्यशिक्षा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकोंह्न हेतु स्व-गणना अभियान चलाया जा रहा है।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा दी गई सटीक जानकारी के आधार पर ही भविष्य की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता इस प्रक्रिया में अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर डॉ. विपिन कुमार बंसल ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग डिजिटल इंडिया की पहचान है। यदि युवा शक्ति इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़ती है तो जनगणना-2027 को अधिक पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं की गणना सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने स्व-गणना को संकल्प के रूप में अपनाते हुए डिजिटल माध्यम से सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का प्रण लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. संजीव कुमार, ई. आशीष जैन, विकास जैन, निखिल चौहान, रजत गुप्ता एवं मुकुल जैन सहित भारी संख्या में शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किसान दिवस में गूंजी किसानों की समस्याएं, डीएम ने दिए समाधान के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित किसान दिवस में किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी आलोक यादव के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसान दिवस के दौरान गन्ना बकाया भुगतान, टूटी सड़कें, उर्वरकों की कमी, आवारा पशुओं का आतंक, रैबीज टीकों की अनुपलब्धता तथा जलभराव जैसी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। ग्राम चुनसा निवासी विदेश मलिक ने एनएचएआई अधिकारियों की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए नाराजगी जताई। वहीं ग्राम पंजीठ निवासी पुष्कर सिंह ने कैराना नगर पालिका का गंदा पानी खेतों में जाने से फसल खराब होने की शिकायत की। ग्राम नाला निवासी कुलदीप पंवार ने डीएपी और

यूरिया की कमी का मामला उठाया, जबकि कपिल खाटियान ने गन्ना भुगतान में देरी और नीलगायों से फसलों को हो रहे नुकसान की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी। जिलाधिकारी आलोक यादव ने कहा कि शामली कृषि प्रधान जनपद है और किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की शिकायतों पर गंभीरता से कार्य करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

संत निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने दी आध्यात्मिकता और संस्कारों की प्रेरणा

शामली (शिखर समाचार) संत निरंकारी सत्संग भवन, खेड़ी बैरागी, मुजफ्फरनगर रोड शामली में बुधवार को सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से जनपद स्तरीय बाल समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहारनपुर से पहुंचीं प्रचारक बहन मिन्नी ने कहा कि वह यहां आशीर्वाद देने नहीं, बल्कि संगत से आशीर्वाद लेने आई हैं। उनके प्रेरणादायक विचारों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया।

बाल समागम में बच्चों ने गीत, नृत्य और नाटक की सुंदर प्रस्तुतियों के माध्यम से विनम्रता, समर्पण, सहनशीलता, शुकराना और सद्भावना जैसे आध्यात्मिक एवं मानवीय

मूल्यों का संदेश दिया। बच्चों ने बताया कि यदि बचपन से ही जीवन में संस्कार और आध्यात्मिकता का समावेश हो तो समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में प्रियांशु, नंदिनी, सार्थक, सिद्धार्थ, शोभना, अभय, अनुराग, आस्था, राधिका, रेणुका, श्रेष्ठा, हार्दिक, शोभित, निहार, रोहन, रमित, कनिका, सुगंधी और महिमा सहित अनेक बच्चों ने प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। समागम में बाल संगत इंचार्ज सुमन, बहन किट्टी गुलाटी, वीना, स्वाती सहित जनपद शामली की समस्त शाखाओं के मुखी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जनता दर्शन में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने सुनीं जनसमस्याएं

शामली (शिखर समाचार) सुरेश राणा ने थानाभवन स्थित अपने कैंप कार्यालय पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेशवासियों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरेश राणा ने कहा कि प्रदेश में आम जनता के हित में संचालित योजनाओं का सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। पहले योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती थीं, लेकिन अब केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है।

संपादकीय

लोकतंत्र में शब्दों की मयार्दा क्यों जरूरी है

भारतीय राजनीति इन दिनों जिस दिशा में आगे बढ़ रही है, वह लोकतंत्र की सेहत के लिए चिंता पैदा करने वाली है। सत्ता और विपक्ष के बीच वैचारिक संघर्ष लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन जब राजनीतिक संवाद की जगह व्यक्तिगत आरोप, कटु भाषा और अपमानजनक टिप्पणियां लेने लगें तो यह स्थिति लोकतांत्रिक मूल्यों के कमजोर होने का संकेत देती है। हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद देशभर में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक मयार्दा के खिलाफ बताते हुए राहुल गांधी पर देश का अपमान करने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस नेताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिक्रिया करार दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस खड़ी कर दी है कि क्या भारतीय राजनीति मुद्दों से भटककर केवल आरोप प्रत्यारोप की राजनीति बनती जा रही है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां राजनीतिक दलों की भूमिका केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं होती। जनता उम्मीद करती है कि उसके नेता संसद और सार्वजनिक मंचों पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें जो लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखे। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों की आलोचना करना है, सरकार से सवाल पूछना है और जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाना है। वहीं सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब दे और राजनीतिक विरोध को लोकतांत्रिक भावना के साथ स्वीकार करे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि राजनीतिक बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। नेता अब नीतियों की बजाय व्यक्तियों पर हमला करने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। इससे राजनीतिक विमर्श का स्तर कमजोर हो रहा है और जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं।

देश इस समय कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे विषय आम जनता के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। जनता चाहती है कि राजनीतिक दल इन मुद्दों पर गंभीर चर्चा करें और समाधान प्रस्तुत करें। लेकिन दुर्भाग्य से राजनीतिक मंचों पर अब विकास और नीतियों की चर्चा कम तथा एक दूसरे पर व्यक्तिगत हमले ज्यादा दिखाई देते हैं। इससे लोकतंत्र का मूल उद्देश्य प्रभावित होता है। संसद, जिसे लोकतांत्रिक बहस का सबसे बड़ा मंच माना जाता है, वहां भी कई बार हंगामा, नारेबाजी और तीखी व्यक्तिगत टिप्पणियां अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की उस परंपरा के विपरीत है, जिसमें असहमति के बावजूद सम्मान बनाए रखने की संस्कृति रही है।

भारतीय राजनीति का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि पहले भी नेताओं के बीच वैचारिक मतभेद होते थे, लेकिन भाषा में संयम दिखाई देता था। अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह जैसे नेता राजनीतिक रूप से अलग विचारधाराओं से जुड़े होने के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखते थे। संसद में तीखी बहस होती थी, लेकिन व्यक्तिगत कटुता कम दिखाई देती थी। आज राजनीति में जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है, उससे समाज में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। राजनीतिक दलों के समर्थक सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक भाषा का प्रयोग करने लगे हैं। इससे समाज में विभाजन और तनाव बढ़ता है।

~ मौलिक चिंतन ~

कुत्ते अपने मालिकों के प्रति इतने वफादार होते हैं कि उन्हें गलत काम करते देखकर भी पूंछ ही हिलाते हैं, भौंकते और काटते नहीं हैं।

© विनय संकोची

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

सनत जैन

सनातनी अब मांसाहारी और शाकाहारी में बंटे...

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रुपए तथा पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रुपए महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शेव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रारंभ में ही यदि इस तरह के भेदभाव की भावना हिंदुओं के बीच में जागृत होती है, तो यह हिंदू एकता को लेकर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला कहीं ना कहीं सामने आया था। उत्तर भारत के जो नेता पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांस और मछली खाकर यह विश्वास दिलाया था, वह बंगाल की संस्कृति और बंगाल की धार्मिक परंपरा के साथ कोई अन्याय नहीं करेंगे।

सरकार बनने के बाद जिस तरह से कालीभक्त पुजारियों के मानदेय को सरकार ने बंद किया है। उसके बाद वहां पर कहा जा रहा है, वर्तमान सरकार काली भक्तों को पसंद नहीं करती है। पश्चिम बंगाल की धार्मिक संस्कृति में भगवान राम और अन्य हिंदू देवी देवता जो शैव और वैष्णव संप्रदाय से आते हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल में साक्त भक्तों में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव हुए हैं। लाखों की संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात किया गया। लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए। पश्चिम बंगाल के बाहर से अधिकारियों को लाकर चुनाव कार्य में लगाया गया।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस : रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है-आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरूआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।

वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।

अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।'अ' से अमरुद, 'च' से चरखा छोड़, 'अ' से अमन, 'च' से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से 'आतंकवाद' शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

ललित गर्ग

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चचाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप

महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्वजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्वचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्वलन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को 'भारत का मिनी इज़राइल' भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

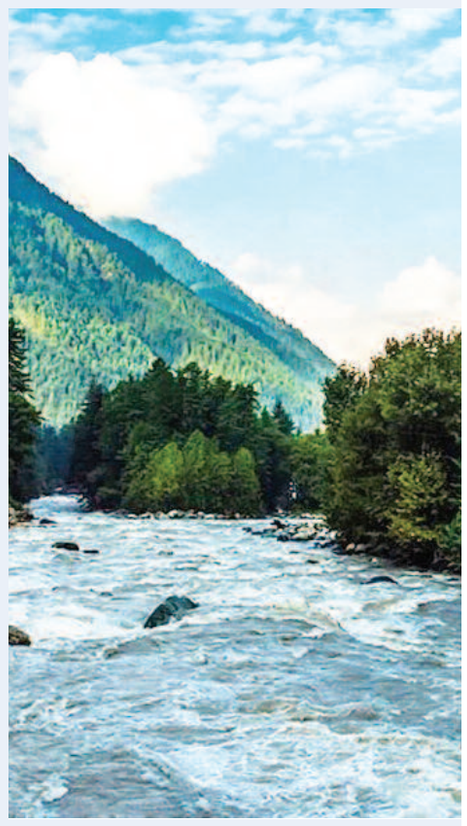

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।
सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।
रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।
सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 117, निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में गिरावट के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा पर रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो के तेजी से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 117.54 अंक बढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41 अंक उछलकर 23,659 अंक पर बंद हुआ।

आज रिलायंस के अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स 500 के करीब टूटकर 74,681 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 150 अंकों से ज्यादा गिरकर 23,464 के स्तर पर पहुंच गया। आज दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल से एशियाई बाजारों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण भी अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी रही। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान का निकेई 225 करीब 1.29 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.93 फीसदी नीचे आया। डाओ जोंस करीब करीब 0.65 फीसदी गिरा। वहीं एसएंडपी 500 भी 0.67 फीसदी नीचे आया। नेसडेक कंपोजिट भी 0.84 फीसदी टूटा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ये पहली बार 96 के स्तर से आगे निकल गया। ये शुरुआती कारोबार में 96.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरा। वहीं गत दिवस रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी शुरुआत 96.86 के स्तर पर हुई। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में रुपया करीब 1 रुपये तक कमजोर हो चुका है। रुपये पर सबसे अधिक दबाव कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गयी हैं। आज ब्रेंट क्रूड करीब 111 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है। इससे भारत पर भी दबाव आया है। भारत को काफी तेल आयात करना पड़ता है। ऐसे में कच्चा तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपये की कमजोरी की दूसरी बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता है। निवेशक सुरक्षित निवेश की तरफ जा रहे हैं, जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है। डॉलर मजबूत होने से भी भारतीय रुपये पर दबाव आया है।

भारत के अरबपतियों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर हुई, 26 नए अरबपति बने

मुकेश अंबानी भारत और एशिया के सबसे अमीर तो अडाणी दूसरे नबंर पर

मुंबई।

भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। हाल ही में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के बाद भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा अरबपतियों वाला तीसरा देश बन गया है। देश में अरबपतियों की कुल संख्या बढ़कर 229 हो गई है।

फोर्ब्स की ताजा सूची के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी करीब 100 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ भारत और एशिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं। गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं, जबकि उद्योगपति परिवार की प्रमुख सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला के रूप में तीसरे नंबर पर हैं। इस सूची में स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल चौथे और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर पांचवें नंबर पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिससे वे साल के सबसे बड़े गेनर बनकर उभरे हैं। वहीं, भारतीय उद्योग जगत में पारंपरिक कारोबारियों के साथ नए दौर के टेक उद्यमियों की मौजूदगी भी तेजी से बढ़ रही है। मुंबई अब भी भारतीय अरबपतियों का सबसे बड़ा केंद्र है। वित्त, उद्योग, शेयर बाजार और स्टार्टअप निवेश का प्रमुख केंद्र होने के कारण मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि, डिजिटल कारोबार का विस्तार और स्टार्टअप संस्कृति ने संपत्ति निर्माण की रफ्तार को नई ऊंचाई दी है।

इस बार की सूची में कई युवा और नए चेहरे भी शामिल हुए हैं। खासतौर पर एआई, फिनटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने तेजी से अपनी पहचान बनाई है। इनमें 31 साल के अरविंद श्रीनिवास जैसे युवा फाउंडर्स का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बढ़ती उद्यमिता, निवेशकों का विश्वास और तकनीक आधारित कारोबार आने वाले सालों में अरबपतियों की संख्या और संपत्ति दोनों को और बढ़ा सकते हैं। इससे भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने की उम्मीद है।

मेटा ने किया हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान, एआई का असर

कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना किया शुरू

नई दिल्ली।

मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया। इसकी वजह एआई के कारण संगठन का पुनर्गठन है। इसकी जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके करीब 10 फीसदी कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में मेटा की एचआर चीफ जेनेल गेल ने कहा कि कई टीमों को एआई-आधारित सिद्धांतों के आधार पर पुनर्गठित किया जा रहा है ताकि सरल संरचनाएं और छोटे समूह बनाए जा सकें जो ज्यादा जिम्मेदारी के साथ तेजी से काम किया जा सके। गेल ने कहा कि बदलावों पर काम करते हुए कई टीमों ने एआई-आधारित डिजाइन सिद्धांतों को अपनी नई संगठनात्मक संरचनाओं में शामिल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अमेरिकी कर्मचारियों को भी छंटनी के प्रभावी होने वाले दिन घर से काम करने के लिए कहा गया था, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका पालन मेटा ने पिछली छंटनी घोषणाओं के दौरान भी किया था। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब मेटा एआई बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी बढ़ोतरी कर रहा है। इसके अलावा कंपनी ने 2026 के लिए 125 अरब डॉलर से 145 अरब डॉलर के बीच पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है, जो मुख्य रूप से एआई डेटा केंद्रों, कस्टम चिप्स और मॉडल प्रशिक्षण पर केंद्रित है। सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों को बताया कि एकत्रित डेटा का उद्देश्य केवल एआई प्रणालियों को बेहतर बनाना है, न कि निगरानी करना।

मारुति सुजुकी ने लखनऊ में खोली स्मार्ट फैक्ट्री लैब

युवाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण

लखनऊ।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत लखनऊ में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुजुकी कंपनी ने सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक अत्याधुनिक स्मार्ट फैक्ट्री लैब की स्थापना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य डिप्लोमा छात्रों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। यह लैब अपने पहले वर्ष में करीब 400 छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। यहां छात्रों को स्वचालन, उद्योग 4.0, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी), न्यूमेटिक्स, ऊर्जा मापन और गति नियंत्रण प्रणालियों सहित उन्नत औद्योगिक तकनीकों का सीधा अनुभव मिलेगा। यह पहल अकादमिक शिक्षा और उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटने में सहायक होगी। कंपनी का मानना है कि इस अत्याधुनिक लैब के माध्यम से छात्रों में उद्योग के लिए आवश्यक सही मानसिकता विकसित होगी, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी दक्षता मजबूत होगी। इसका अंतिम लक्ष्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार पेशेवर बनाना है, जो देश के कार्यबल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा, स्मार्ट फैक्ट्री लैब के उन्नयन के साथ, हम सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार पेशेवर तैयार कर रहे हैं। ये लैब विनिर्माण क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने, कौशल अंतर को कम करने और छात्रों में उद्योग-विशिष्ट उपकरणों के उपयोग में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण के अवसर प्रदान करेंगी। कंपनी ने भारत और जापान सरकार के सहयोग से चार जापान-भारत विनिर्माण संस्थान (जेआईएम) भी स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोटिव विनिर्माण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उद्योग-विशिष्ट व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 18 आईटीआई में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग लैब (एएमएल) भी स्थापित की गई हैं।

यह कदम युवाओं को उद्योग की मांगों के अनुरूप तैयार करने की मारुति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सेंसेक्स 118 अंक चढक़र 75,318 पर बंद

निफ्टी में भी 41अंक की तेजी रही; रुपए 96.89 के रिकॉर्ड लो पर

मुंबई। सेंसेक्स बुधवार को 118 अंक चढक़र 75,318 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 41 अंकों की तेजी रही, ये 23,659 पर पहुंच गया। बुधवार के कारोबार में ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए 33 पैसे टूटकर 96.89 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले कई सत्रों से रुपए के मूल्य में लगातार गिरावट देखी जा रही है। 19 मई को सेंसेक्स 114 अंक की गिरावट के साथ 75,201 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 23,618 पर बुद हुआ। आज के बैंकिंग, एफएमसीजी और मेटल शेयर्स में बिकवाली रही। वहीं आईटी, रियल्टी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

सरकार ऊर्जा संकट के बीच अब इलेक्ट्रिक बस-ट्रकों को बढ़ावा देने की तैयारी में

1 अरब डॉलर की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली।

भारत सरकार ऊर्जा संकट के बीच प्राइवेट सेक्टर में इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों को बढ़ावा देने के लिए 1 अरब डॉलर यानी करीब 8,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रही है। इस योजना का मकसद कॉमर्शियल परिवहन क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नाम न छापने की शर्त पर मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि यह प्रोग्राम 10 सालों तक चलेगा और मुख्य रूप से भारत के प्राइवेट ओन्ड कॉमर्शियल फ्लीट को टारगेट करेगा। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा इंटर-सिटी बस ऑपरेटरों के लिए रखा जा सकता है। योजना को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने प्रधानमंत्री कार्यालय और इंडस्ट्री से जुड़े पक्षों के साथ बैठकें हो सकती हैं। अंतिम बजट आवंटन, प्रोत्साहन पाने वाले वाहनों की श्रेणी और सब्सिडी ढांचे पर अभी काम चल रहा है और इसमें बदलाव संभव है। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बाद भारत सरकार पेट्रोल, डीजल आदि पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रही है।

इससे ऊर्जा सुरक्षा और आयातित महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। भारत अपनी कीरब 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है, जिससे वह वैश्विक भू-राजनीतिक संकट और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना रहता है। कमर्शियल ट्रांसपोर्ट का इलेक्ट्रिफिकेशन भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के मुताबिक नई दिल्ली जैसे शहरों में वाहनों से होने वाला उत्सर्जन सालाना सूक्ष्म कण प्रदूषण का लगभग 40 फीसदी तक योगदान देता है। पिछले पांच सालों में इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने की रफ्तार तेजी से बढ़ी है, जिसमें सरकारी परिवहन कंपनियों की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि भारत में अभी भी ज्यादातर नई बसें डीजल से चलती हैं। हालांकि डीजल पर निर्भरता केवल भारत की समस्या नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्र कमर्शियल वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन में पहले से ही लाखों इलेक्ट्रिक ट्रक और बसें चल रही हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप शहरी लॉजिस्टिक्स और पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्लीट को तेजी से इलेक्ट्रिक बना रहे हैं। अनुमानों के मुताबिक भारत में 20 लाख से ज्यादा बसें हैं, लेकिन इनमें से केवल 5 फीसदी बसों पर सरकार का नियंत्रण है। वहीं देश में करीब सभी ट्रक निजी क्षेत्र द्वारा संचालित किए जाते हैं और यही डीजल की सबसे बड़ी खपत करते हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी छोटे कमर्शियल फ्लीट ऑपरेटरों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं। ये ऑपरेटर ऊंची शुरुआती लागत और सीमित वित्तपोषण के कारण कठिनाई का सामना कर रहे हैं। विचाराधीन प्रोत्साहनों में वाहन की पूरी अवधि में प्रति वाहन 15 लाख रुपए तक का ब्याज सब्सिडी लाभ शामिल हो सकता है, जिसे समय के साथ धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सरकार प्राइवेट कंपनियों को इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन खरीदने के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिए आंशिक क्रेडिट गारंटी व्यवस्था पर भी विचार कर रही है।

कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज में आई कमी का कंपनियों को मिला फायदा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज के बोझ में आई कमी का कंपनियों को फायदा मिला। कम वेतन और पारिश्रमिक के साथ-साथ ब्याज लागत में हुई बचत ने कच्चे माल की बढ़ी लागत को काफी हद तक पाट दिया है। इससे वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का कर बाद मुनाफा मार्जिन 11.3 फीसदी रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 60 आधार अंक ज्यादा है और कम से कम पिछली 21 तिमाहियों में सबसे ज्यादा मुनाफा मार्जिन है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के 10.6 फीसदी मुनाफा मार्जिन से चौथी तिमाही में 70 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन पिछले पांच सालों में करीब एक तिहाई बढ़ा है। मार्च 2021 तिमाही में यह 8.6 फीसदी था। 837 कंपनियों का वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुल शुद्ध लाभ 15.5 फीसदी बढ़ा है जबकि इस दौरान उनकी आय में 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन कंपनियों का कुल समायोजित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में करीब 3.24 लाख करोड़ रहा जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 2.81 लाख करोड़ रुपए था। दूसरी ओर इन कंपनियों की कुल आय वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बढ़कर लगभग 28.65 लाख करोड़ रुपए रही जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 26.16 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 27.71 लाख करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही में वेतन और पारिश्रमिक और ब्याज व्यय जैसे प्रमुख खर्च में वृद्धि धीमी रही जिससे कंपनियों को मुनाफा मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में नमूने में शामिल कंपनियों की कुल वेतन वृद्धि 6.4 फीसदी रही जबकि बिक्री एवं मार्केटिंग खर्च में 3.6 फीसदी का इजाफा हुआ। हालांकि कंपनियों की लाभप्रदता को सबसे बड़ा फायदा कम ब्याज लागत का मिला। इस लाभ में बैंकों और गैर-बैंक ऋणदाताओं का दबदबा रहा और इनकी हिस्सेदारी नमूने में शामिल कंपनियों के कुल शुद्ध लाभ की करीब 43 फीसदी रही। बैंक, वित्त और बीमा कंपनियों को कम ब्याज दरों से सबसे ज्यादा लाभ हुआ और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में उनके कुल ब्याज खर्च में केवल 2.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वायु सुरक्षा अधिकारी 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की करेंगे निगरानी

लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी

नई दिल्ली।

भारतीय वायु सुरक्षा अधिकारी सिएटल जाने की योजना बना रहे हैं। वहां वे बोइंग द्वारा किए जा रहे एक 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की निगरानी करेंगे। इस पैनल को फरवरी में एयर इंडिया के एक 787 विमान से हटा दिया गया था, जब लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी। यह जानकारी दस्तावेज से पता चली है। भारतीय अधिकारियों ने इस परीक्षण को 'संवेदनशील' बताया है। इस परीक्षण ने बोइंग ड्रीमलाइनर में लगे उन स्विचों पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है, जो विमान के इंजनों में जेट ईंधन का प्रवाह नियंत्रित करते हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब जांचकर्ता पिछले जून में गुजरात में हुए एयर इंडिया 787 विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक ये स्विच इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि अगर पायलट कोई विशेष एक्शन नहीं लेते हैं तो इन्हें हिलाया नहीं जा सकता, लेकिन इस हादसे की शुरुआती रिपोर्ट में यह सामने आने के बाद कि ये स्विच करीब एक ही समय पर बंद हो गए थे और जिससे इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था, ये स्विच अब जांच के दायरे में आ गए हैं। डीजीसीए ने पहले बताया था कि लंदन में फरवरी में हुई घटना के दौरान पायलटों ने इंजन चालू करते समय देखा कि पहले दो प्रयासों में जब हल्का दबाव डाला गया, तो फ्यूल स्विच 'रन' स्थिति में स्थिर नहीं रहे, लेकिन उड़ान भरने से पहले तीसरे प्रयास में वे स्थिर हो गए। एयर इंडिया ने कहा कि अतिरिक्त परीक्षण में एक नियंत्रित प्रयोगशाला परिवेश में जांच शामिल है, ताकि इसके प्रदर्शन की निश्चित रूप से पुष्टि हो सके।

निवेश के लिए खरीदा फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प

आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है

नई दिल्ली।

भारतीय समाज और सोने का रिश्ता सदियों पुराना है। त्योहारों की रौनक हो या शादियों का उल्लास, सोना हर मोड़ पर भारतीय परिवारों के सुख-दुख का साथी रहा है। एक अनुमान के मुताबिक आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है, जो काफी हद तक निष्क्रिय है, अलमारियों में बंद है और जिसकी देश भर में कोई एक तय कीमत भी नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने के बाजार की यह पूरी तस्वीर अब बदल रही है। साल 2024 से सरकार ने नए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) को जारी करना पूरी तरह बंद कर दिया था, जिसके बाद बजट 2026 के नए नियमों ने इसके टैक्स फायदों को भी सीमित कर दिया। दूसरी तरफ नवंबर 2025 में सेबी ने मोबाइल ऐप्स पर मिलने वाले अनरेगुलेटेड डिजिटल गोल्ड को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलते सिस्टम के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 'इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स' (ईजीआर) ने निवेश की दुनिया में कदम रखा। अब देश के आम निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि सोने में निवेश का सबसे व्यावहारिक, सुरक्षित और किफायती रास्ता कौन सा है। क्या हमें सुनार की दुकान से पारंपरिक सोना खरीदना चाहिए, सालों से चल रहे गोल्ड ईटीएफ में बने रहना चाहिए या फिर नए ईजीआर को अपनाना चाहिए। पारंपरिक रूप से भारत में सोने की खरीद हमेशा से आभूषणों या सिक्कों के रूप में की जाती रही है, जिसे हम फिजिकल गोल्ड कहते हैं। सुनार की दुकान पर जाकर अपनी आंखों के सामने सोने को देखना और उसे छूकर महसूस करना हमेशा से भारतीयों की पसंद रही है। हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट इस उपभोक्ता व्यवहार की गहराई को समझाते हुए कहती हैं कि भारत में गहनों और सोने का अपना एक सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है, क्योंकि यह लोगों को 'टैन्जिबल ओनरशिप' यानी संपत्ति को छूकर महसूस करने और खुद के पास सुरक्षित रखने की वास्तविक खुशी देता है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में इसकी मांग हमेशा बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि अगर आप इसे सिर्फ निवेश के नजरिए से देखें, तो फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प साबित होता है। सोना खरीदते ही सबसे पहले आपको 3फीसदी जीएसटी देना पड़ता है। इसके अलावा ज्वेलर्स 5फीसदी से लेकर 20फीसदी या उससे भी ज्यादा तक मेकिंग चार्ज वसूल लेते हैं, जिसका निवेश से कोई फायदा नहीं होता। फिर इसकी सुरक्षा की चिंता अलग रहती है। या तो घर में चोरी का डर बना रहता है, या बैंक लॉकर के लिए हर साल मोटा किराया देना पड़ता है। सबसे बड़ा झटका तब लगता है जब आप सोना बेचने जाते हैं। उस समय ज्वेलर्स पुराने मेकिंग चार्ज का पैसा तो वापस नहीं देते, ऊपर से शुद्धता जांचने के नाम पर सोने के वजन या कीमत में भी कटौती कर लेते हैं।

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ

टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश ने किया पाक का सूपड़ा साफ

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो - बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

पाकिस्तान की लगातार चौथी हार - यह पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी टेस्ट हार रही। इस हार के साथ ही शान मसूद की कप्तानी पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने का सपना भी इस हार से बड़ा झटका लगा है।

मुश्फिकुर और लिटन दास ने रखा जीत की नींव - पहली पारी में बांग्लादेश 278 रन पर ऑलआउट हुआ था, जिसमें लिटन दास ने 126 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन ही बना सकी।

बाबर आजम ने 68 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने मैच पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। अनुभवी बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने 137 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लिटन दास ने 69 रन बनाए। बांग्लादेश ने 390 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 437 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही।मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

मैच का परिणाम

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया

- बांग्लादेशः 278 और 390
- पाकिस्तानः 232 और 358
- बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से जीती

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

अनिल कुंबले ने माना

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं।

इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की। कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'उन्होंने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 59 छक्के लगाए हैं। मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने दिग्वेश राठी के खिलाफ कई बार ऐसा किया। मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं। मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। यह लड़का बहुत खास है। वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हैं।'

सबसे कम उम्र में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

इस पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में 500 रन पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए 20 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यशस्वी जायसवाल ने भी की जमकर तारीफ

राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल ने मैच के बाद टीम के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। जायसवाल ने कहा, 'हर खिलाड़ी ने मेहनत की और टीम के लिए योगदान दिया। हमें पता था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। पावरप्ले में जोफ्रा की गेंदबाजी शानदार रही। वहीं वैभव और ध्रुव ने बल्लेबाजी से मैच खत्म कर दिया।'

- **'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं -वैभव सूर्यवंशी** - राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।' युवा बल्लेबाज ने बताया कि गेंदबाजी के दौरान बाहर बैठकर उन्होंने पिच को अच्छी तरह समझ लिया था। उन्हें महसूस हो गया था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए शानदार है, इसलिए उन्होंने शुरुआत में थोड़ा समय लेने का फैसला किया। वैभव ने कहा, 'जब मैं बाहर बैठा था तब मैंने देखा कि विकेट काफी अच्छा है। मैंने सोचा कि शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अगर मैं ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करूंगा तो दूसरे बल्लेबाज को भी मदद मिलेगी।'

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है। पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गईं और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।' एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीजन बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि खासकर मध्य क्रम का खराब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। क्रक्के सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए। पंत ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा, 'कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसी सपाट विकेट पर गेंदबाजों के पास बहुत कम गुंजाइश होती है और बहुत ज्यादा सलाह देना काम नहीं करता। कभी-कभी आपको प्लान को आसान रखना पड़ता है, हर गेंद पर ध्यान देना होता है और उसी प्लान को सही तरीके से लागू करने की कोशिश करनी होती है।'

दीपिका-अतानु एशियन गेम्स की भारतीय तीरंदाजी टीम से बाहर

ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार

धीरज-ज्योति सुरेखा टॉप पर रहे

सोनीपत (एजेंसी)। 4 बार की ओलिंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनुदास को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह नहीं मिली। दोनों सोनीपत के साई सेंटर में आयोजित 3 दिनी ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार गए। भारतीय तीरंदाजी संघ ने ट्रायल के बाद जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया। रिकर्व कैटेगरी में दीपिका कुमारी और अतानु चौथे स्थान पर रहे, इसलिए वे एशियन गेम्स टीम से बाहर हो गए। कंपाउंड में अभिषेक वर्मा भी एशियाड का टिकट हासिल नहीं कर सके। तीसरे और आखिरी स्थान के लिए अनुभवी दीपिका कुमारी और युवा ओलिंपियन अंकिता भकत के बीच कांटे की टक्कर हुई। शुरुआती तीन राउंड्स के बाद दोनों 10.75 पॉइंट्स पर बराबरी पर थीं। शूट-ऑफ में अंकिता ने बाजी मारी और एशियन गेम्स टीम का तीसरा व आखिरी बर्थ हासिल किया।

19 साल की कीर्ति शर्मा टॉप पर रहीं, कुमकुम दूसरे नंबर पर रहीं - महिलाओं के रिकर्व सेक्शन में युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ दिया। 19 साल की तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने ट्रायल्स में 13.5 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं महाराष्ट्र की तीरंदाज कुमकुम मोहोद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने सीधे एशियन गेम्स टीम में जगह पक्की की।

दीपिका लगातार दूसरे एशियाड से बाहर, वर्ल्डकप टीम में जगह

दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में नहीं खेल पाएंगी। वे 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में वे बेटी के जन्म के कारण हिस्सा नहीं ले सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन और कई वर्ल्ड कप मेडल जीतने वाली दीपिका ने 2010 से अब तक तीन एशियन गेम्स खेले हैं, लेकिन वे कभी इंडिविजुअल मेडल नहीं जीत सकी हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू गेम्स का टीम ब्रॉन्ज मेडल था। चौथे स्थान पर रहने के कारण दीपिका वर्ल्ड कप सर्किट के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भारतीय टीम में बनी रहेंगी। दरअसल, वर्ल्ड कप के लिए 4 तीरंदाज चुने जाते हैं, जबकि एशियन गेम्स में केवल टॉप-3 को मौका मिलता है।

22 साल का इंतजार खत्म, आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग का खिताब

बोर्नमाउथ (इंग्लैंड)(एजेंसी)। आर्सेनल ने आखिरकार 22 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद आर्सेनल आधिकारिक रूप से चैंपियन बन गया। मैनचेस्टर सिटी को खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी, लेकिन वाइटलिटी स्टेडियम में टीम ऐसा करने में नाकाम रही। मैच ड्रॉ होते ही आर्सेनल ने अंक तालिका में चार अंकों की अजेय बढ़त बना ली और ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। आर्सेनल ने इससे पहले आखिरी बार 2004 में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। इसके बाद क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्रॉफी जीतने का सपना अधूरा रह गया। इस बार टीम ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया और आखिरकार इतिहास रच दिया। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला की लगातार खिताब जीतने की उम्मीद भी इसी के साथ खत्म हो गई। पिछले कुछ सालों से इंग्लिश फुटबॉल में दबदबा बनाने वाली सिटी इस बार आर्सेनल को रोक नहीं पाई। आर्सेनल के चैंपियन बनने की खबर सामने आते ही क्लब के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लंदन में एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हो गए और देर रात तक जश्न मनाते रहे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3895

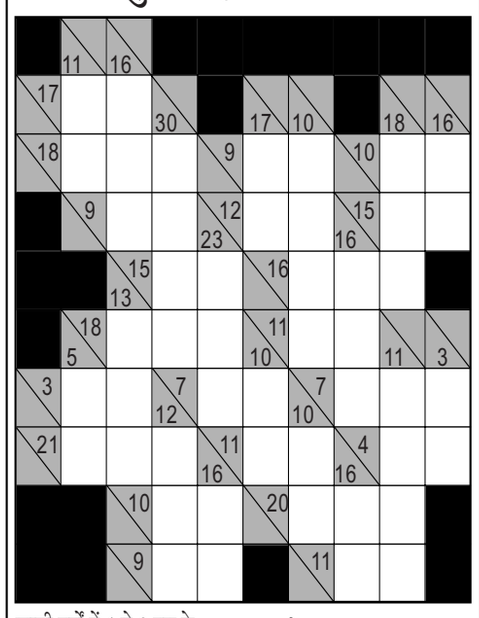

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

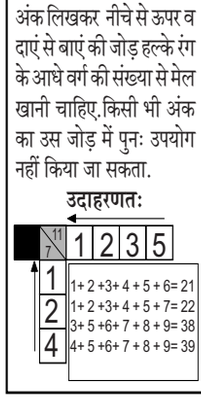

काकुरो -3894 का हल

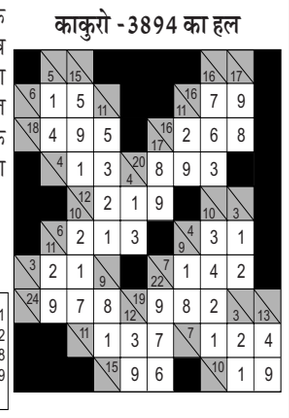

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)– एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला– जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा– भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला– चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली– चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3895

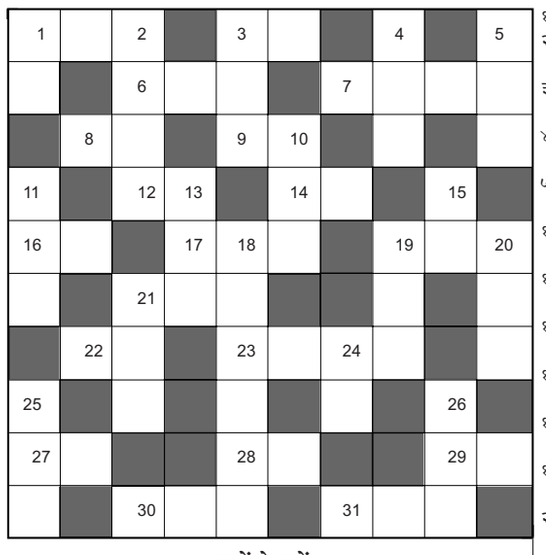

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3894

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ड्ड		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		श्ना	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	ख्मी			रि		जी	त
	डि			वि	ष	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	मं

सूडोकु -3895

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3894 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 3895

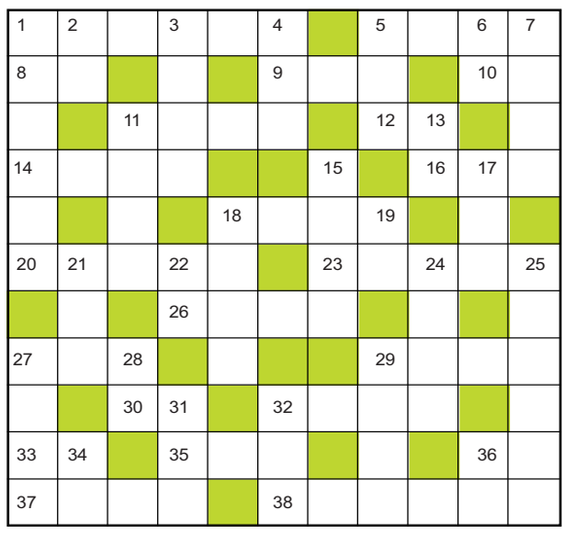

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल–3,3
5.मानवीयता–4
8.शरीर, बदन–2
9.ऊंचाई–3
10.तीर, बाण–2
11.मनमोहक–4
12.रग, नाड़ी–2
14.दुत्कारना–4
16.चतुर, फुर्तीला–3
18.साझेदार–4
20.रमण लायक–3,2
23.भारी, वजन वाला–5
26.असावधानी–4
27.दाल पीसना–3
29.निश्चित–4
30.कविता–2
32.शरीर व इच्छा–2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग–2
35.सलाम करना–3
36.रास्ता–2
37.राह पर चलनेवाले–4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया–3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस–6
2.गाय के स्तन–2
3.प्रसन्न होने का भाव–4
4.लगन, जिज्ञासा–3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में–3)
6.अधीन, काबू–2
7.डामर, टार–4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन–4
13.सच्चाई–2
15.दुश्मनी,शत्रुता–4
17.घूंघट, बुरखा–3
18.भाग्य का लेखा–जोखा–4
19.धूल, रेत–2
21.भवन, प्रसाद–3
22.जोड़, कुल–2
24.लावण्ययुक्त–4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,–3,3
27.विजयादशमी–4
28.मोड़, छोर–2
29.मृत्यु का देवता, यम–4
31.बुरी आदत–3
32.सभ्य व्यवहार–3
34.मार्ग–2
36.गोंद, वार्निश–2

शब्द पहेली -3894 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	इ	क	न		ता		रौ	मा	ला	गु

अपने हाथों को भी सुंदर बनाइए

जिस प्रकार चेहरा आपके व्यक्तित्व का आइना है उसी प्रकार खूबसूरत हाथ भी व्यक्तित्व का आइना होते हैं।

प्राय: महिलाएं चेहरे की खूबसूरती का तो पूरा ध्यान रखती हैं मगर हाथों की देखभाल के प्रति पूर्णतय: असावधानी व लापरवाही रखती हैं। यह वास्तविकता हैं कि हाथों से ही व्यक्ति की आयु का पता चलता है। हाथों का हमारे जीवन में कितना महत्व है, यह हम भली-भांति जानते और समझते हैं। तो फिर क्यों न हाथों की सुरक्षा की ओर ध्यान दिया जाए। हाथ भी तो हमारे व्यक्तित्व का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। हाथों को खूबसूरत बनाने के कुछ उपयोगी टिप्स इस प्रकार हैं।

- नींबू के रस में शहद मिला कर नियमित हाथों पर मलने से हाथों की रंगत में निखार आ जाता है।
- ग्लिसरिन और गुलाब जल का मसाज भी हाथों को नर्म और मुलायम बनाता है।
- शहद और संतरे का रस बराबर मात्रा में मिला कर लगाने से हाथों की त्वचा साफ और खूबसूरत होती है।
- हाथों को नर्म और मुलायम बनाने के लिए मोइश्चराइजर का प्रयोग भी उपयोगी रहता है।
- टमाटर का गूदा मलने से भी हाथ नर्म और मुलायम हो जाते हैं।
- अंड की सफेदी में थोड़ी-सी फिटकरी मिला कर हाथों पर रगड़ने से हाथों की रंगत में निखार आता है।

अनोखा अंदाज साड़ी का

भारतीय महिलाओं की सनातन पोशाक साड़ी को पहनने का अंदाज अब बदल चुका है। शादियों के सीजन में इन नई स्टाइल को कोई भी अपना सकता है। आप भी जानिए साड़ी के निराले अंदाज को..

लुंगी ड्रेप यह तरीका भारी पल्लू वाली साड़ियों के लिए है। सामान्य तरह से बांधी गई साड़ी में 7-8 प्लीट्स दें। पल्लू को कंधे पर लेने के बजाए इसे प्लीट्स के बाद फिर लपेट दें, जिससे भारी काम सामने की तरफ आकर हाइ लाइट हो जाए।

चोकर ड्रेप ब्लाउज पर भारी काम वाली साड़ियों के लिए यह स्टाइल है, इसमें सामान्य अंदाज में साड़ी पहनकर 7-8 प्लीट्स देकर पल्लू को बाएं कंधे से दुपट्टे की तरह लटकाएं। यह जरा अलग तरह का लुक देगा।

नॉट ड्रेप ब्लाउज पर जरदोजी और साड़ी पर जड़ाऊ या कुंदन का काम होने पर यह स्टाइल अपनाएं। पल्लू को कंधे पर ले जाने के बजाए कमर के बाएं तरफ गांठ के आकार में लगाइए। बचे हुए पल्लू को दाएं कंधे पर ले जाकर करीने से पिनअप कीजिए, ताकि पूरे कार्यक्रम के दौरान साड़ी बराबर जमी रहे।

रिस्ट-पिन ड्रेप पल्लू का बॉर्डर जरदोजी के काम वाला होने पर इस अंदाज को अपनाएं। इसमें पल्लू को दाएं हाथ के नीचे से ले जाकर गर्दन के पीछे से लाते हुए बाएं हाथ की कलाई में पिन-अप कर लें।

स्लिट साड़ी ड्रेप इसे सामान्य भाष में सिली हुई साड़ी कह सकते हैं, इसकी प्लीट्स सिल दी जाती हैं ताकि पहनने में आसानी हो और वक्त भी न लगे। सामान्य साड़ी पहनने के बाद पल्लू को दाएं हाथ के नीचे से लाकर बाएं कंधे तक लाएं। ऐसी साड़ियों में साइट में स्लिट भी दी जाती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

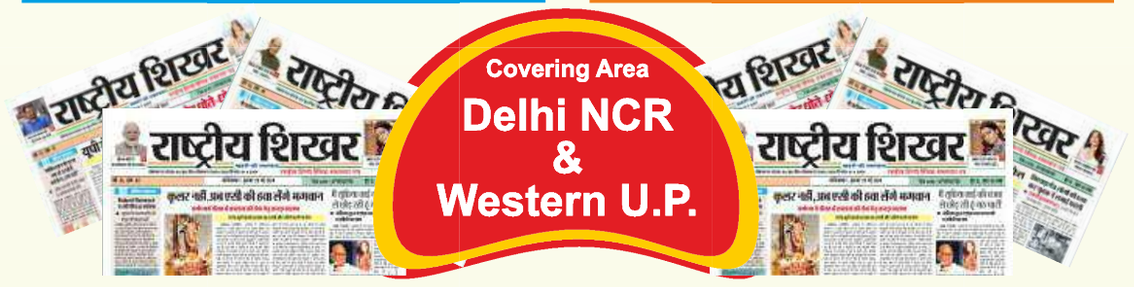

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।'

पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

मीरा नायर की 'अमरी' में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

पिता के रोल में जयदीप अहलावत

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है 'अमरी'। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'अमरी' स्टार कास्ट

मीरा नायर की नई फिल्म 'अमरी' में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म 'अमरी' का पहला लुक जारी किया है।

'अमरी' को लेकर मीरा नायर की राय

अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। मीरा ने कहा, ''अमरी' अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।'

अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स

2027 में अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स की बड़ी प्रदर्शनियां दुनिया भर में लगाई जाएंगी। ये पेरिस से शुरू होकर लॉस एंजिल्स, दोहा होते हुए नई दिल्ली में खत्म होंगी। दिल्ली में उनकी स्थायी प्रदर्शनी भी लगाने की योजना है।

आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है

अभिनेत्री महवश अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी: बदले का खेल' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उत्तर भारत की लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने का माध्यम भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बहुत ही सार्थक मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल परतें हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी जटिलता हमेशा रोमांचक होती है।' सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। अभिनेत्री ने बताया कि आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस यह दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं होता, उनकी वजह से लोगों को किन मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यह यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज यह लड़ाई जीत जाएगा। महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है। अपने ग्रामीण किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए यह मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे यह मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर 'प्यार पैसा प्रॉफिट' ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो 'सतरंगी' मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, 'इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनियाएं नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो यह बदलाव अपने आप ही हो जाता है।'

'गोलमाल 5' को लेकर तुषार कपूर ने दी बड़ी अपडेट

एक्टर तुषार कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट दी है। तुषार कपूर ने अपनी टीम के साथ एक सेल्फी शेयर की। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। तुषार कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की है। इसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है 'शेड्यूल रैप सेल्फी। गोलमाल 5, 79 दिन की कड़ी मेहनत, जुनून और दिन-रात शूटिंग, नींद की झपकी और छुट्टियां। लेकिन पिक्चर अभी बाकी है।' तुषार कपूर की पोस्ट पर अभिनेता आफताब ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा 'द ए टीम'। पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट करके सीक्वल के लिए अपनी बेसब्री जाहिर की है।

कान फिल्म फेस्टिवल में रिलीज हुआ वामिका गब्बी की 'डीसी' का ट्रेलर

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं।

ट्रेलर देखकर उत्साहित हुए फैंस

ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है।

अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज़ करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज़म की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज़ द्वारा लिया जाना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

ओपनएआई के खिलाफ एलन मस्क की बड़ी हार, कोर्ट ने खारिज किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क को अमेरिकी फेडरल कोर्ट से एक बहुत बड़ा झटका लगा है। कैलिफोर्निया के ऑकलैंड की एक संघीय अदालत ने मस्क द्वारा एआई कंपनी ओपनएआई और उसके शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ दायर किए गए बड़े मुकदमे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। मस्क ने अदालत में आरोप लगाया था कि चैटजीपीटी बनाने वाली इस कंपनी ने मानवता की भलाई के लिए काम करने के अपने मूल उद्देश्य को धोखा दिया है और अब यह केवल पैसा कमाने वाली कंपनी बन गई है। नौ सदस्यों वाली जूरी ने तीन सप्ताह तक चले इस लंबे ट्रायल के बाद अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जूरी ने दो घंटे से भी कम समय तक विचार करने के बाद अदालत को बताया कि मस्क ने यह मुकदमा दायर करने में बहुत ज्यादा देर कर दी है और उन्होंने कानूनी समय सीमा (स्टैच्यूटरी डेडलाइन) को पार कर लिया है। जज यवोन गोंजालेज रोजर्स ने सोमवार को जूरी के इस फैसले को अदालत के अंतिम फैसले के रूप में स्वीकार कर लिया और मस्क के दावों को खारिज कर दिया। हालांकि, मस्क के वकील स्टीवन मोलो ने स्पष्ट किया है कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने इस हार की तुलना अमेरिकी इतिहास की पुरानी जंगों से की और कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील जरूर करेंगे।

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अदालत ने हटाए सभी आरोप, मामला स्थायी रूप से किया बंद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटा दिया है। इसके साथ ही न्यूयॉर्क में चल रहा बहुचर्चित रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का मामला पूरी तरह से बंद हो गया है। इस फैसले के बाद अदाणी समूह से जुड़ी कई अमेरिकी नियामक और कानूनी जांचें बंद हो गई हैं। पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के संबंध में निवेशकों को किए गए खुलासों से जुड़े गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ आरोपों का निपटारा किया। अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चला कि गौतम अदाणी ने 60 लाख अमेरिकी डॉलर और सागर अदाणी ने 120 लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई, बिना किसी भी तरह की गलती स्वीकार किए या इनकार किए।

23 वर्षीय तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने ; मिली बोरेहामवुड की कमान

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं। 13 मई को बोरेहामवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहामवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे एक बड़ा सम्मान बताया। तुषार ने कहा कि किंग्स कॉलेज में राजनीति विज्ञान पढ़ने से लेकर अपने पसंदीदा शहर का मेयर बनने तक का यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में मिले समर्थन के लिए सभी का आभार जताया। इसी दौरान तुषार ने निवर्तमान मेयर डैन ओजारो को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन से बहुत कुछ सीखने को मिला। डैन ने पिछले एक साल में शहर की सेवा में जो योगदान दिया, तुषार ने उसकी भी सराहना की। आगामी नागरिक वर्ष के लिए लिंडा स्मिथ को नया डिप्टी मेयर नियुक्त किया गया है। मेयर के रूप में तुषार कुमार का मुख्य लक्ष्य समुदाय के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाना है। वह स्थानीय चैरिटी संस्थाओं और संगठनों की मदद करना चाहते हैं। इसके साथ ही वह चाहते हैं कि अधिक से अधिक युवा सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक जीवन में हिस्सा लें। तुषार ने संकल्प लिया कि वह समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुलझाने और युवाओं को प्रेरित करने का काम करेंगे।

अमेरिका की सैन डिएगो मस्जिद में गोलीबारी, पांच की मौत : इनमें एक गार्ड और दो संदिग्ध

सैन डिएगो, एजेंसी। अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी।

इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है।

मस्जिद के बाहर मृत मिले तीन लोग : पुलिस : सैन डिएगो के पुलिस प्रमुख स्कॉट वाहल ने बताया कि मस्जिद में सक्रिय हमलावर की पहली सूचना सुबह 11:43 बजे मिली थी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी चार मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस को इस्लामिक सेंटर के बाहर तीन मृत व्यक्ति मिले। एफबीआई ने बताया कि तीनों पीड़ित वयस्क पुरुष थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। इसी दौरान पुलिस को पास में ही गोलीबारी की सूचना

मिली। वाहल ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, जो कुछ ही ब्लॉक दूर था, जहां उन्हें एक माली मिला जिस पर गोली चलाई गई थी, लेकिन उसे गोली नहीं लगी थी।

गोलीबारी की जांच जारी : इसके बाद पुलिस ने दो संदिग्धों का पता लगाया, जो एक वाहन में मृत पाए गए। एफबीआई के अनुसार, दोनों किशोर थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि उनकी मौत खुद को गोली मारने से हुई है। गोलीबारी की घटना से जुड़े हालात और इसके पीछे का मकसद अभी भी जांच के दायरे में है।

एफबीआई स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद कर रही है। वाहल ने कहा कि चूंकि तीनों पीड़ित एक स्थानीय मस्जिद में थे, इसलिए जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि यह घृणा अपराध नहीं है, हम इसे घृणा अपराध मान रहे हैं। गैर-मुस्लिमों का दौरा चल रहा था मस्जिद के इमाम ताहा हस्साने ने बताया कि सोमवार को कुछ गैर-मुस्लिम लोग इस्लाम को समझने के लिए मस्जिद के दौरे पर आए थे। यह सेंटर अलग-अलग समुदायों के बीच संवाद और मेलजोल बढ़ाने के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र सुरक्षित हैं। फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन लोगों से मस्जिद से दूर रहने को कहा गया है। एहतियात के तौर पर सेंटर को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया। मस्जिद की वेबसाइट के मुताबिक, यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक गतिविधियां नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक कामों में भी दूसरे समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है। यहां रोज पांच वक्त की नमाज होती है।

गवर्नर बोले- कैलिफोर्निया मुस्लिम समुदाय के साथ है : कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मुस्लिम समुदाय से कहा कि कैलिफोर्निया आपके साथ खड़ा है। जहां परिवार और बच्चे जुटते हैं, जहां लोग शांति से इबादत करते हैं, वहां ऐसा हमला बेहद भयावह है। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है।' उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें मौके पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं।

शूटिंग के बाद खुद को मारा : जानकारी के मुताबिक पुलिस को जैसे ही एक्टिव शूटर की खबर मिली, वे 4 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंच गए। लेकिन तब तक मस्जिद के बाहर तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं मस्जिद में तबाही मचाने के बाद हमलावर वहां से भाग निकले। रास्ते में उन्होंने एक और शख्स पर गोली चलाई और फिर दोनों शूटरों ने अपनी कार में खुद को गोली मार ली। पुलिस चीफ ने बताया कि पुलिस की तरफ से कोई गोली नहीं चलाई गई थी, यह पूरी तरह आत्मघाती हमला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 17 वर्षीय शूटर की मां ने हमले से ठीक दो घंटे पहले पुलिस को फोन किया था। मां ने घबराते हुए पुलिस को बताया था कि उनका बेटा 'सुसाइडल' है और घर से हथियार लेकर भागा है। इसके बाद जिस स्कूल में वह पढ़ता था, वहां पुलिस तैनात की गई। हालांकि तब तक शूटर मस्जिद की तरफ निकल चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले पर प्रतिक्रिया दी है। वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक डरावनी स्थिति बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह एक बेहद भयानक स्थिति है। मुझे इस पर शुरुआती अपडेट्स मिले हैं, लेकिन हम इस पूरे मामले को बहुत गंभीरता से देखने वाले हैं।

'इस बार खाड़ी देशों की अपील पर रुके' : ट्रंप ने टाला ईरान पर हमला, कहा- समझौता करो वरना हमले के लिए तैयार रहो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर होने वाले एक बड़े सैन्य हमले को फिलहाल के लिए टाल दिया है। यह हमला मंगलवार के लिए तय किया गया था, लेकिन आखिरी वक्त में खाड़ी देशों के सहयोगी नेताओं की अपील के बाद इसे रोक दिया गया है।

सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी दोनों पक्षों के बीच गंभीर बातचीत चल रही है, इसलिए उन्होंने मंगलवार को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले को रोक दिया है। इससे पहले उन्होंने ईरान को खुली चेतावनी दी थी कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो कमजोर पड़ चुके युद्धविराम के बाद फिर से भीषण लड़ाई शुरू हो जाएगी।

ट्रंप ने अमेरिकी सेना को क्या सख्त निर्देश दिए थे : इस योजनाबद्ध हमले के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं दी गई, लेकिन राष्ट्रपति ने साफ कहा कि उन्होंने अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने सैन्य अधिकारियों को निर्देश दिया था कि अगर ईरान के साथ कोई स्वीकार करने लायक समझौता नहीं होता है, तो पल भर के नोटिस पर ईरान पर पूरी ताकत के साथ एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार रहें। यह बयान दिखाता है कि अमेरिका पूरी तरह से हमले के मूड में था। ईरान पर हमले का प्लान

अचानक क्यों रोका गया? इससे पहले यह किसी को नहीं पता था कि 19 मई (मंगलवार) को ईरान पर हमले की कोई योजना है। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उन्होंने यह हमला मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के अपने सहयोगी देशों की खास गुजारिश पर रोका है। इन सहयोगी देशों में कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बड़े नेता शामिल हैं। इन्हीं देशों के कहने पर फिलहाल हमले का इरादा टाल दिया गया है।

ट्रंप ने सप्ताहांत पर ईरान को क्या खुली चेतावनी दी थी : हमला टालने से ठीक पहले सप्ताहांत (वीकेंड) पर अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को बहुत ही कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ईरान के लिए अब समय बहुत तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने साफ कहा था कि ईरान को जल्दी से जल्दी कोई कदम उठाना चाहिए, वरना उनका नामोनिशान मिट जाएगा और वहां कुछ भी नहीं बचेगा। वे हफ्तों से धमकी दे रहे हैं कि अप्रैल के मध्य में हुआ युद्धविराम कभी भी खत्म हो सकता है।

मीडिया पर भड़के ट्रंप: ईरान युद्ध कवरेज को लेकर जताई नाराजगी, कहा-पागलपन भरी रिपोर्टिंग से देश को हुआ नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर मीडिया आउटलेट्स पर हमला बोला है। उन्होंने ईरान के साथ जारी संघर्ष से जुड़ी रिपोर्टिंग को लेकर मुख्यधारा के मीडिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप ने सीधे तौर पर कहा है कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान ईरान युद्ध को लेकर पूरी तरह से गलत, पक्षपातपूर्ण और भ्रामक तरीके से खबरें प्रसारित कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मान लेते हैं कि ईरान पूरी तरह आत्मसमर्पण कर देता है। वह मान लेता है कि उसकी नौसेना खत्म हो चुकी है और समुद्र की तलहटी में डूब गई है। उसकी वायुसेना का नामोनिशान मिट चुका है। ईरान की पूरी सेना तेहरान से बाहर आ जाती है। वे अपने हथियार डाल देते हैं और हाथ ऊपर उठा लेते हैं। हर एक सैनिक सफेद झंडा लहराते हुए जोर-जोर से चिल्लाता है कि 'मैं सरेंडर करता हूं।' ईरान का बचा हुआ पूरा नेतृत्व आत्मसमर्पण के जरूरी दस्तावेजों पर दस्तखत कर देता है। वे महान और शक्तिशाली अमेरिका के सामने अपनी घुटने टेकने वाली हार स्वीकार कर लेते हैं।

ट्रंप ने आगे लिखा कि इसके बावजूद यह फेक न्यूज मीडिया देश को सच नहीं दिखाएगा। 'द फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स', 'द चाइना स्ट्रीट जर्नल' और 'सीएनएन' जैसी संस्थाएं कुछ और ही खबर चलाएंगी। ये सब मिलकर अपने अखबारों और चैनलों पर यही बड़ी हेडलाइन लगाएंगे कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर जीत हासिल की है। ये मीडिया संस्थान दिखाएंगे कि यह मुकाबला दूर-दूर तक बराबरी का नहीं था। ट्रंप ने कहा कि फेक मीडिया पूरी तरह अपना रास्ता भूल चुके हैं और सचमुच बिल्कुल पागल हो गए हैं। राष्ट्रपति ने अपने बयान में एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की इन भ्रामक रिपोर्ट्स से दुश्मन देशों, विशेषकर ईरान को 'गलत संदेश' मिलता है।

केन्या में ईंधन कीमतों के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन, चार लोगों की मौत; दर्जनों घायल

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में रिकॉर्ड ईंधन कीमतों के विरोध में राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक परिवहन हड़ताल के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इन झड़पों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। आंतरिक मंत्री किपचूंबा मुरकोमेन ने बताया कि चार लोगों की मौत हुई है और 30 से अधिक घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने मौतों के कारणों का खुलासा नहीं किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलीबारी की। मंत्री ने यह भी कहा कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें हिंसक अवैध विरोध प्रदर्शनों में उनकी संलिप्तता के लिए आरोपित किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों पर टायर जलाए और कम से कम दो

वाहनों में आग लगा दी। इस कारण कई उपनगरों में यात्रियों को परेशानी हुई और शहर का केंद्र सुनसान रहा। शुक्रवार को केन्या में ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। डीजल की कीमतों में 23.5% और गैसोलीन में 8% की वृद्धि हुई। सरकार ने पिछली मूल्य वृद्धि का कारण ईरान युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति पर इसके प्रभाव को बताया था, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए करों में कटौती की थी। राष्ट्रपति विलियम रूटो, जो देश से बाहर हैं, ने नई मूल्य वृद्धि या विरोध प्रदर्शनों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। केन्या नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि बढ़ी हुई कीमतों से सभी वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा। चैंबर ने यह भी नोट किया कि अप्रैल से मई तक केन्या में मूल्य वृद्धि वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक थी, जो 'घरेलू लागत निर्माण की निरंतर भूमिका' की ओर इशारा करती है। भ्रष्टाचार के आरोपों में अक्टूबर 2024 में महाभियोग के बाद विपक्ष में शामिल हुए पूर्व उप-राष्ट्रपति रिगाथी गैचागुआ ने कीमतों में तेज वृद्धि के लिए भ्रष्ट व्यापारियों को जिम्मेदार ठहराया, जो अपने लाभ मार्जिन को बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने केन्या की ईंधन कीमतों की तुलना पड़ोसी युगांडा जैसे देशों से की, जहां कीमतें कम हैं और जो आयात के लिए केन्याई बंदरगाहों पर निर्भर हैं।

348 लोगों को किया गया गिरफ्तार : गृह मंत्री किपचुम्बा मुरकोमेन ने यह भी बताया कि 348 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 'हिंसक और गैर-कानूनी' विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने का आरोप लगाया जाएगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन चार लोगों की मौत कैसे हुई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नैरोबी में पुलिस ने गोलियां चलाई थीं।

'मोजतबा खामेनेई को चोटें आई थीं मगर...' अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के युद्ध में घायल होने की पुष्टि कर दी है। सीनियर ईरानी अधिकारी ने बताया कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमलों के दौरान खामेनेई को मामूली चोटें आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कोई गंभीर बात नहीं हुई थी और मोजतबा खामेनेई अब सुरक्षित हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले कई हफ्तों से उनकी सेहत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कोई कह रहा था कि मोजतबा खामेनेई का चेहरा जल गया है तो किसी का कहना था कि उन्हें बेहद गंभीर चोटें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी के अंत में शुरू हुए ईरान-इजरायल और अमेरिका के

बीच संघर्ष के शुरुआती हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और राजनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इन्हीं हमलों में ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिसके बाद मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुना गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि हमले में मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें पैर व चेहरे पर चोटें आई थीं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई अफवाह बताया है।

मोजतबा खामेनेई को लेकर तरह-तरह की अटकलें : बीते दिनों सोशल मीडिया और कई विदेशी मीडिया संस्थानों में यह चर्चा भी तेज थी कि मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से सामने क्यों नहीं आ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में यहां तक दावा किया गया कि उनकी हालत बेहद गंभीर है और वह इलाज करा रहे हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने लगातार यह कहा कि सुरक्षा कारणों से उनकी सार्वजनिक मौजूदगी सीमित रखी गई है। हाल में एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट की वजह से उन्हें हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और सरकारी कामकाज पर नजर बनाए हुए हैं।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी बनी हुई है। युद्ध के बाद से ईरान की सत्ता संरचना और सैन्य रणनीति में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। विश्लेषकों का मानना है कि मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनकी सार्वजनिक मौजूदगी आने वाले समय में ईरान की राजनीति और क्षेत्रीय समीकरणों पर असर डाल सकती है। फिलहाल ईरानी प्रशासन ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि उनके सर्वोच्च नेता सुरक्षित हैं और देश की कमान संभाल रहे हैं।

शांति की उम्मीदें खत्म: यूक्रेन पर रूसी ड्रोन-मिसाइलों की चौतरफा मार, ट्रंप की सारी कोशिशें नाकाम

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूसी सेना ने यूक्रेन के आठ राज्यों को निशाना बनाकर रातभर भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को बताया कि इस ताजा हवाई हमले में रूस ने 524 विनाशकारी ड्रोन और 22 बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइलें दागीं। इस भारी गोलाबारी में 24 से अधिक नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मध्य यूक्रेन का निप्रो शहर और उसके आसपास का इलाका इस हमले से सबसे ज्यादा दहला है। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों से संघर्षविराम की अपील की थी। ट्रंप ने जेलेंस्की और पुतिन से युद्ध रोकने को कहा था, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिखा। अमेरिकी प्रयासों के बावजूद शांति समझौते के कोई संकेत नहीं हैं। पिछले सप्ताह भी रूस ने कीव में एक बहुमंजिला इमारत को मलबे में तब्दील कर दिया था, जहां 24 लोगों की मौत हो गई थी।

यूक्रेन ने रूस के आर्थिक ठिकानों को बनाया निशाना : युद्ध के चार साल से अधिक समय में यूक्रेन ने अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमता को काफी मजबूत किया है। यूक्रेन अब रूस के तेल ठिकानों और अंदरूनी हिस्सों को निशाना बना रहा है। रविवार को यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। इसमें मॉस्को के पास तीन लोगों सहित कुल चार लोग मारे गए। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने 24 घंटों में 1,000 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए या जाम किए, जिनमें से 80 मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे।

इसी बीच, यूक्रेन के रक्षा मंत्री मायखाइलो फेडोरोव ने एक बड़ा एलान किया है। यूक्रेन ने अपना पहला स्वदेशी ग्लाइड बम विकसित कर लिया है। इस बम में 250 किलोग्राम का वॉरहेड लगा है। यह अग्रिम मोर्चे से दर्जनों किलोमीटर पीछे बने बंकरों और कमांड पोस्ट को नष्ट करने में सक्षम है। यूक्रेनी पायलट इस समय युद्ध की वास्तविक स्थितियों में इसका प्रशिक्षण ले रहे हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का मानना है कि उनकी लंबी दूरी की मारक क्षमता ने युद्ध की पूरी तस्वीर बदल दी है। दुनिया का नजरिया भी अब बदल रहा है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उन्होंने यूक्रेन के हथियार कारखानों, ऊर्जा केंद्रों और बंदरगाहों पर सटीक मिसाइल हमले किए हैं और उनके सभी लक्ष्य पूरे हुए हैं। इन लगातार हमलों से यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली पर भारी दबाव है। इस तनाव के बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह बीजिंग में चीनी नेता शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। लेकिन इस दौरे से ठीक पहले, यूक्रेन की नौसेना ने दावा किया है कि ओडेसा के पास ब्लैक सी में एक रूसी ड्रोन ने चीन के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया है।

इस्लामपुरा होगा कृष्ण नगर, मुस्तफाबाद बनेगा धर्मपुरा, पाकिस्तान में बदलेंगे सड़कों के नाम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर की कई सड़कों और गलियों के आजादी से पहले के नाम को बहाल करने की योजना को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसका उद्देश्य शहर की विभाजन-पूर्व विरासत को पुनर्जीवित करना है। पिछले कुछ दशकों में लाहौर की कई ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के नाम बदल दिए गए। इसके तहत ब्रिटिशकालीन और हिंदू धर्म से जुड़े नामों को बदलकर इस्लामी, पाकिस्तानी या स्थानीय हस्तियों से जुड़े नये नाम रखे गए।

कैबिनेट बैठक में दी गई मंजूरी : पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री मरियम नवाज की अध्यक्षता में हुई पंजाब कैबिनेट की बैठक में लाहौर और उसके आसपास के इलाकों की विभिन्न सड़कों और गलियों के मूल और ऐतिहासिक नामों को बहाल करने की योजना को मंजूरी दी गई थी।' उन्होंने कहा कि यह निर्णय इस ऐतिहासिक शहर की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लिया गया है।

नवाज शरीफ कर रहे हैं अगुवाई : उन्होंने बताया कि इस पहल का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ कर रहे हैं, जो लाहौर विरासत क्षेत्र पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख भी हैं। उनके प्रस्ताव को पिछले सप्ताह कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी।

इन ऐतिहासिक स्थानों का नाम बदला गया था : लाहौर की ऐतिहासिक गलियों और सड़कों का नाम पिछली सरकारों ने बदल दिया गया था, जिनमें क्वींस रोड, जेल रोड, डेविस रोड, लॉरेंस रोड, एम्प्रेस रोड, कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, ब्रैंडरेथ रोड, राम गली, टेम्पबेल स्ट्रीट, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, कुम्हारपुरा, मोहन लाल बाजार, सुंदर दास रोड, भगवान पुरा, शांति नगर और आउटफॉल रोड शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पहल के

तहत इस्लामपुरा का नाम कृष्ण नगर, बाबरी मस्जिद चौक को जैन मंदिर चौक, मुस्तफाबाद को धर्मपुरा बनाया गया है। शरीफ ने मिंटो पार्क (ग्रेटर इकबाल पार्क) में तीन क्रिकेट मैदानों और एक पारंपरिक 'अखाड़ा' (कुश्ती अखाड़ा) के जीर्णोद्धार का भी प्रस्ताव रखा है, जिसे व्यापक रूप से नुकसान की भरपाई की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। उनके भाई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 2015 में पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शहरी विकास कार्यक्रम के तहत तीन ऐतिहासिक क्रिकेट मैदानों, क्रिकेट क्लबों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और एक कुश्ती अखाड़े को ध्वस्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

क्यों ऐतिहासिक है मिंटो पार्क : पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक जैसे कई क्रिकेटरों ने मिंटो पार्क के इन क्रिकेट क्लबों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विभाजन से पहले भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ भी इन क्लबों में प्रशिक्षण लेने जाते थे। जब अमरनाथ 1978 में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ लाहौर गए, तो वह मिंटो पार्क गए और 'क्रिसेंट क्रिकेट क्लब' के खिलाड़ियों के साथ समय बिताया। वह देश के विभाजन तक इसी क्लब से खेलते थे। मिंटो पार्क में ध्वस्त हो चुके कुश्ती के अखाड़े में कभी गूंगा पहलवान, इमाम बख्श और गामा पहलवान जैसे दिग्गज पहलवानों के मुकाबले होते थे। विभाजन से पहले हिंदू मिंटो पार्क में दशहरा का त्योहार मनाते थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)